■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक -59)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 27 मार्च ,2023

▶ योगी के कार्यो को प्रदर्शित करती पुस्तिका का विमोचन

▶ बाबा वेंगा ने की भविष्यवाणी, मच सकती है भयंकर तबाही!

▶ सुष्मिता सेन लक्मे फैशन वीक एक्सएफडीसीआई में रैंप पर दिखीं

न्यूज संक्षिप्त

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राजघाट पर सत्याग्रह करने की अनुमति नहीं दी

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ राजघाट पर 'सत्याग्रह% करने की अनुमति नहीं दी। दिल्ली पुलिस ने एक पत्र में कहा कि कानून-व्यवस्था एवं यातायात संबंधी कारणों से इस अनुरोध को खारिज किया गया और राजघाट में एवं इसके आसपास दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी गई है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में रविवार को सभी राज्यों और जिला मुज्यालयों में महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने एकदिवसीय सत्याग्रह करने की घोषणा की थी।

केरल की वायनाड सीट से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा 2019 के मानहानि के एक मामले में दो साल जेल की सजा सुनाये जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनका अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि सूरत की एक अदालत ने यह फैसला मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर दिया था।

खालिस्तान समर्थकों ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास पर हिंसा भड़काने की कोशिश नाकाम

वाशिंगटन। खालिस्तान समर्थकों का एक समूह यहां भारतीय दूतावास के सामने एकत्र हुआ और हिंसा भड़काने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की 'सीक्रेट सर्विस% और स्थानीय पुलिस के समय पर हस्तक्षेप करने से लंदन और सैन फ्रांसिस्को के मिशन पर हुई घटनाओं को फिर होने से रोक दिया गया। वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के पास अलगाववादी सिख शनिवार को एकत्र हुए और उन्होंने अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के खिलाफ अपशब्द कहे और उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकी दी। प्रदर्शन के समय संधू दूतावास में नहीं थे।

प्रदर्शन स्थल पर कुछ प्रदर्शनकारी अन्य प्रदर्शनकारियों को हिंसा में शामिल होने और इमारत की खिड़कियां एवं शीशे तोड़ने के लिए भड़काते देखे गए। चीजें नियंत्रण से बाहर होने की आशंका के मद्देनजर सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने अतिरिक्त बलों को तुरंत तैनात किया और कम से कम तीन पुलिस वैन दूतावास के सामने खड़ी की गईं।

भारत जोड़ो यात्रा करने वाला शहीद प्रधानमंत्री का बेटा कभी देश का अपमान नहीं कर सकता: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को कहा कि देश को जोड़ने के लिए हज़ारों किलोमीटर चलने वाला शहीद प्रधानमंत्री का बेटा कभी भी देश का अपमान नहीं कर सकता है। वहीं कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ रविवार को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किया। प्रियंका यहां महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर एक सभा को संबोधित कर रही थीं। राहुल गांधी को 2019 के एक आपराधिक मानहानि के मामले में सूरत की अदालत द्वारा दोषी पाये जाने के बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। प्रियंका ने कहा कि समय आ गया है कि अहंकारी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई जाए क्योंकि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकना देश और इसके लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि उद्योगपति गौतम अडाणी को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल पूछने के लिए राहुल गांधी को अयोग्य ठहराया गया है और जनता इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगी। राजघाट के बाहर 'संकल्प सत्याग्रह% में जमा हुए लोगों से वाद्रा ने कहा कि मेरे परिवार ने खून से इस देश में लोकतंत्र को सींचा है। हम इस देश में लोकतंत्र के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। कांग्रेस के महान नेताओं ने इस देश में लोकतंत्र की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है और हम अब चुप रहने वालों में से नहीं हैं।

देश में 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी वृद्धि हुई : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और पिछले 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी वृद्धि हुई है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात% की 99वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अगदान के लिए सामने आने की अपील की। अंगदान करने वाले कुछ लोगों के परिजनों के अनुभव सुनने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका एक फैसला कई लोगों की जिंदगी बचा सकता है, जिंदगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग अंगदान का इंतजार करते हैं, वह जानते हैं कि इंतजार का एक-एक पल गुजरना कितना मुश्किल होता है और ऐसे में जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है तो उसमें ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में आज बड़ी संख्या में ऐसे जरूरतमंद हैं, जो स्वस्थ जीवन की आशा में किसी अंगदान करने वाले का इंतज़ार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के इस दौर में अंगदान किसी को जीवन देने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है क्योंकि जब एक व्यक्ति मृत्यु के बाद अपना शरीर दान करता है तो उससे 8 से 9 लोगों को एक नया जीवन मिलने की संभावना बनती है। उन्होंने कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। साल 2013 में हमारे देश में अंगदान के पांच हजार से भी कम मामले थे लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है। अंगदान करने वाले व्यक्तियों ने, उनके परिवार ने, वाकई बहुत पुण्य का काम किया है।

भारत ने अलगाववादी तत्वों के कृत्यों के खिलाफ कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया

नयी दिल्ली। भारत ने अपने राजनयिक मिशन और वाणिज्य दूतावासों के खिलाफ अलगाववादी एवं चरमपंथी तत्वों के कृत्यों के मद्देनजर कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया है और इन घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत सरकार ने शनिवार को इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद इस प्रकार के तत्वों को भारत के राजनयिक मिशन और वाणिज्यदूतावासों की सुरक्षा का उल्लंघन कैसे करने दिया गया। इसमें कहा गया कि कनाडा को विएना संधि के तहत उसके दायित्वों की याद दिलाई गई और ऐसे लोगों को गिरफ्तार करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए कहा गया जिनकी पहचान इस तरह के कृत्यों में शामिल होने वाले व्यक्तियों के तौर पर पहले ही की जा चुकी है।

मंत्रालय ने आशा व्यक्त की कि कनाडा सरकार भारत के राजनयिकों और उसके राजनयिक परिसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगी ताकि वे अपने सामान्य राजनयिक कार्यों को पूरा कर सकें। खालिस्तान समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन के बाद ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम को सुरक्षा चिंताओं के कारण रद्द करना पड़ा, जिसमें कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त हिस्सा लेने वाले थे।

राहुल गांधी की बर्खास्तगी को अपनी ताकत बनाएगी कांग्रेस, जल्द होगा रणनीति का एलान

नयी दिल्ली। राहुल गांधी की लोकसभा से बर्खास्तगी को कांग्रेस अपनी ताकत बनाएगी। पूरे देश में इसके लिए विशेष रणनीति बनाई जाएगी। कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे चुनावी राज्यों में चुनावों से जोड़ते हुए अभियान चलाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों में जनता के मुद्दों से जुड़े विषयों के साथ जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी इसके संकेत दे दिए हैं। पार्टी को उम्मीद है कि इससे जमीनी स्तर पर उसका लोगों से जुड़ाव होगा और उसे इसका लाभ मिलेगा।

रविवार को कांग्रेस पार्टी ने राजधानी दिल्ली में संकल्प सत्याग्रह के माध्यम से इस अभियान की शुरुआत भी कर दी है। महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति न मिलने पर पार्टी ने अपना विरोध जताया और इसे अपने प्रदर्शन करने के लोकतांत्रिक अधिकार पर हमला बताया। राजघाट के करीब अन्य स्थल पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला और इसे केंद्र सरकार की कायराना हरकत बताया। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उसका जनता से संपर्क मजबूत किया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जनसंपर्क अभियान शुरू किए जाएंगे। कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी आगामी चुनावों में विशेष संभावनाएं देख रही है। इन राज्यों में अभियान का सबसे आक्रामक तेवर देखने को मिल सकता है।

जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, उनमें विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी के मुख्यमंत्रियों के हाथ होगा। जबकि अन्य राज्यों में पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के माध्यम से विरोध किया जाएगा। पार्टी के केंद्रीय नेताओं को भी इन प्रदर्शनों में अलग-अलग राज्यों में भेजा जाएगा। इनमें प्रियंका गांधी को मुख्य भूमिका मिल सकती है।

आठ वर्षीय मंगोलियाई बच्चा बौद्ध धर्म का तीसरा बड़ा गुरु नामित

धर्मशाला। तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा ने चीन को झटका देते हुए 11वें पंचेन लामा के बाद अमेरिका में पैदा हुए एक मंगोलियाई को बौद्ध धर्म में तीसरे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक गुरु के रूप में नामित किया है। धर्मशाला के मैकलोड़गंज में एक समारोह के दौरान आठ साल के बच्चे को दलाईलामा ने बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा गुरु नामित किया। मंगोलियाई मूल का आठ साल का यह बच्चा अब दलाईलामा और पंचेन लामा के बाद बौद्ध धर्म का तीसरा बड़ा गुरु बन गया है। दलाईलामा ने इस बच्चे को 10वें खलखा जेटसन धम्पा रिनपोछे के पुनर्जन्म के तौर पर मान्यता दी है।मंगोलियाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यह बच्चा जुड़वां बच्चों में से एक है, जिसका नाम अगुइदाई और अचिल्टाई अल्तानार है, जो अलतनार चिंचुलुन और मोनखनासन नर्मदख के बेटे हैं।धर्मगुरु दलाई लामा द्वारा आठ वर्षीय मंगोलियाई बच्चे को बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा गुरु नामित करना उन पर व उनके परिवार पर भारी पड़ सकता है। चीन ने जिस तरह 11वें पंचेन लामा गेदुन चोयकी नीमा को महज छह वर्ष की आयु से वर्ष 1995 से जेल में कैद कर रखा है, उसी तरह इस बच्चे पर भी चीन की नजर रहेगी। बहरहाल, धर्मशाला में आज इस नामकरण के बाद विशेष चहल-पहल देखने को मिली।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया श्रीनगर वैली का निरीक्षण

उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला ट्रेन सेवा से जुड़ने के बाद चलेगी वन्दे भारत ट्रेन

श्रीनगर। रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का उत्तर रेलवे के अंतर्गत बडगाम रेलवे स्टेशन पर आगमन हुआ। इस दौरान कैरेज व वैगन डिपो, बडगाम में ट्रेनों के अनुरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने ट्रेन के अनुरक्षण से सम्बंधित सभी विषयों पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रेल मंत्री विशेष निरीक्षण कार द्वारा बडगाम रेलवे स्टेशन से बारामुला रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने इस रेलखंड की संरक्षा एवं सुरक्षा का विस्तृत अवलोकन किया। रेल मंत्री ने बारामूला रेलवे स्टेशन पर स्थित यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। रेल मंत्री ने मण्डल के बारामूला रेलवे स्टेशन किए जाने वाले विकास कार्यों पर संबंधित रेल अधिकारियों से चर्चा की। इसके साथ-साथ माननीय रेल मंत्री ने बारामूला रेलवे स्टेशन पर कार्यरत रेल कर्मचारियों से संवाद किया। बारामुला रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद के ड्राई फ्रूट्स के स्टॉल का भी रेलमंत्री ने निरीक्षण किया तथा स्टाल पर बारामुला के लोकल ड्राई फ्रूट्स की सराहना की और ड्राई फ्रूट्स खरीदकर डिजिटल माध्यम से भुगतान किया। इस मौके पर रेल मंत्री विशेष निरीक्षण कार द्वारा श्रीनगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर पार्सल ऑफिस का उद्घाटन किया गया। श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद के स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि स्क्क्रू परियोजना जनवरी—फरवरी 2024 तक पूरी कर ली जाएगी। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल परियोजना के लिए 2014 से पहले लगभग 800 करोड़ रूपये प्रति वर्ष बजट आवंटन था, वर्ष 2022-23 में इसे बढाकर 6000 करोड़ रूपये कर दिया गया। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला ट्रेन सेवा से जुड़ने के बाद इस रेल सेक्शन में विशेष तौर से निर्मित वन्दे भारत ट्रेन की शुरुआत की जाएगी।

वनवेब इंडिया-2 मिशन 36 उपग्रह उनकी तय कक्षा में स्थापित

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को बताया कि एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। इससे पहले, इसरो के सबसे भारी रॉकेट एलवीएम3 को ब्रिटेन की संचार कंपनी वनवेब के 36 उपग्रहों के साथ रविवार को प्रक्षेपित किया गया। ब्रिटेन की नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड (वनवेब ग्रुप कंपनी) ने पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में 72 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ एक करार किया है। इस करार के तहत यह वनवेब के लिए दूसरा प्रक्षेपण था। वनवेब ग्रुप कंपनी के लिए पहले 36 उपग्रह 23 अक्टूबर 2022 को प्रक्षेपित किए गए थे।इसरो के 43.5 मीटर लंबे रॉकेट को 24.5 घंटे की उल्टी गिनती समाप्त होने के बाद चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर दूर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में दूसरे लॉन्च पैड से रविवार सुबह नौ बजे प्रक्षेपित किया गया। बाद में इसरो ने बताया कि 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित करने के साथ ही एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन पूरा हो गया।भारती एंटरप्राइसेस वनवेब समूह में बड़ी निवेशक है। वनवेब अंतरिक्ष से संचालित एक वैश्विक संचार नेटवर्क है जो सरकारों एवं उद्योगों को सम्पर्क की सुविधा मुहैया कराता है। रविवार का यह प्रक्षेपण वनवेब ग्रुप कंपनी का 18वां प्रक्षेपण था, जबकि इसरो के लिए 2023 का यह दूसरा प्रक्षेपण है। इससे पहले फरवरी में एसएसएलवी/डी2-ईओएस07 का सफल प्रक्षेपण किया गया था।रविवार के प्रक्षेपण के साथ ही वनवेब द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित उपग्रहों की संख्या बढ़कर 616 हो गई।

भारत के अनुरोध के बावजूद पाकिस्तान करतारपुर साहिब तीर्थयात्रियों से वसूल रहा शुल्क

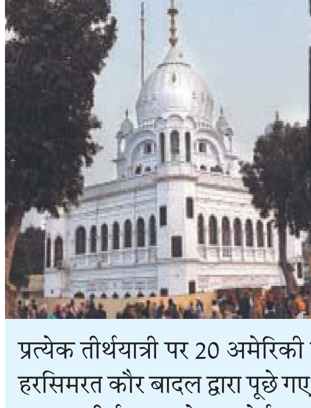

नयी दिल्ली। भारत के आग्रह के बावजूद, पाकिस्तान विशेष कॉरिडोर के माध्यम से करतारपुर साहिब जाने वाले तीर्थयात्रियों से 20 अमेरिकी डालर वसूलना जारी रखता है। श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पासपोर्ट-मुक्त के माध्यम से गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की यात्रा करने के लिए अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। हालांकि, 24 अक्तूबर, 2019 को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, यह अनिवार्य है कि तीर्थयात्री वैध पासपोर्ट पर यात्रा करें, विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने इस सप्ताह संसद को बताया।भारत सरकार ने लगातार पाकिस्तान से आग्रह किया है कि तीर्थयात्रियों की इच्छाओं का सम्मान करते हुए, उसे गलियारे के माध्यम से आने वाले तीर्थयात्रियों पर कोई शुल्क या शुल्क नहीं लगाना चाहिए। पाकिस्तान, हालांकि, प्रत्येक तीर्थयात्री पर 20 अमेरिकी डालर का शुल्क लगाना जारी रखता है। मुरलीधरन लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, जिन्होंने यह जानना चाहा कि क्या सरकार तीर्थ यात्रा को पासपोर्ट-मुक्त बनाने की योजना बना रही है।मुरलीधरन ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए, डेरा बाबा नानक से जीरो प्वाइंट तक एक राजमार्ग और एक एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा भारतीय सीमा में बनाया गया है। 9 नवंबर, 2019 को इसके उद्घाटन के बाद से, लगभग 1.7 लाख तीर्थयात्री गलियारे के माध्यम से गुरुद्वारे के दर्शन कर चुके हैं।

सभी देशवासियों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

चैत्र नवरात्र व रमजान

की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक-बी.पी. साहू

8423454502 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

संपादकीय

लोकतांत्रिक असहिष्णुता

कहना कठिन है कि यह संयोग है या सुनियोजित पटकथा कि गुजरात की एक अदालत ने मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ सज़ा तब सुनाई, जब ब्रिटेन में उनके भारतीय लोकतंत्र के बाबत दिये गये बयानों पर सत्तारूढ़ दल हमलावर बना हुआ है। राहुल पर न केवल सार्वजनिक मंचों से भाजपा नेताओं व मंत्रियों के हमले जारी थे, बल्कि संसद की कार्यवाही भी लंबे समय तक उनके माफी मांगने के मुद्दे पर गतिरोध में फंसी रही है। अब लोकसभा सचिवालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक पत्र में राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। बहरहाल, वर्ष 2019 में कर्नाटक की एक सभा में मोदी सरनेम को लेकर दिये गये कथित विवादास्पद बयान के बाबत सूरत कोर्ट में दर्ज मानहानि केस में गुरुवार को दो साल की सज़ा सुनाये जाने तथा शुक्रवार को उनकी सदस्यता रद्द करने को विपक्ष राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है। इसमें दो राय नहीं जब देश में बिखरा विपक्ष सत्ता की महत्वाकांक्षाओं को लेकर एकजुट नहीं हो पाया है तो ऐसे में राहुल गांधी ही भारी बहुमत से सत्ता में आई राजग सरकार से हर मामले में मोर्चा लेते रहे हैं। कहीं न कहीं भाजपा अपने कांग्रेस मुक्त भारत के एजेंडे को अमलीजामा पहनाने की कवायद में जुटी नजर आती है। लेकिन यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि राहुल गांधी न केवल सड़क बल्कि संसद में भी केंद्र की रीति-नीतियों को लेकर आक्रामक प्रतिरोध दर्ज कराते रहे हैं। पिछले दिनों कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी पदयात्रा को पूरे देश में सकारात्मक प्रतिसाद मिला था। वे विभिन्न मंचों व स्थानों से लगातार प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी पर हमलावर रहे हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष अनिवार्य शर्त है। मुखर विपक्ष एक मार्गदर्शक और सचेतक का काम करता है। वह सत्तापक्ष को निरंकुश व्यवहार करने से रोकता है। किसी भी देश में सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की खूबसूरती को दर्शाता है। सही मायनों में लोकतंत्र राजतंत्र, कुलीनतंत्र और किसी व्यक्ति केंद्रित शासन के विपरीत सहभागिता-सहयोग का पक्षधर होता है।निस्संदेह, भारत जैसे विविध संस्कृति और धर्मों के देश में उदार लोकतंत्र की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की है। आज़ादी के बाद कई दशकों तक भारतीय लोकतंत्र उसी राह पर चला। आपातकाल के अलावा भी आज़ादी के बाद देश की राजनीति में वर्चस्व के चलते कांग्रेस सरकारों के दौरान भी विपक्ष को दबाने तथा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के मामले जब-तब प्रकाश में आते रहे। हाल के दिनों में राजग सरकार में विपक्षी दलों के नेताओं की घेराबंदी के लिये जिस तरह आयकर विभाग, ईडी तथा सीबीआई का इस्तेमाल किया गया, उसे लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत कभी नहीं कहा जा सकता। सवाल उठाये जाते रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के खिलाफ ये सरकारी एजेंसियां कार्रवाई क्यों नहीं करतीं? दूसरे दलों से आये दागी नेता भाजपा व अन्य सहयोगी दलों में आने पर दूध के धुले कैसे हो जाते हैं? राहुल गांधी व कांग्रेस को घेरने के लिये भी नेशनल हेराल्ड प्रकरण में छापेमारी चलती रही है।

सवाल जनतंत्र और देश की गरिमा का

रहा सवाल माफी मांगने का तो 'सॉरी' कह देना ही पर्याप्त नहीं होता, अपनी ग़लती को स्वीकारना होता है और संकल्प करना होता है कि मैं यह ग़लती फिर नहीं करूंगा। छोटे बच्चे से जब 'सॉरी' कहलवाया जाता है तो वह अज़्सर यंत्रवत?् बोल देता है शज़्द, अनुभव नहीं करता वह कोई शज़्द बोल देने के अर्थ को। हमारे राजनेताओं को अपने अपराधों को समझना होगा। साथ ही, क्षमा हमारी राजनीति के सारे अपराधियों को मांगनी होगी, और देश की जनता से मांगी जानी चाहिए यह क्षमा। जनतंत्र की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले हमारे राजनेता इस देश की जनता के प्रति अपराधी हैं। सिर्फ राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से की जाने वाली राजनीति अपने आप में एक अपराध है। आज हमारी संसद में जो कुछ हो रहा है।

वह एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही पेश कर रहा है। संसद की कार्यवाही विवेकपूर्ण ढंग से चले, यह दायित्व हर सांसद का है।

बच्चा जब कोई ग़लती करता है तो मां-बाप अक्सर बच्चे से माफी मंगवाते हुए दिखते हैं। पता नहीं बच्चा माफी मांगने का मतलब समझता है या नहीं, पर अक्सर वह 'सॉरी' बोलकर 'विवाद' खत्म कर देता है। न मां-बाप बच्चे को माफी मांगने का अर्थ समझाते हैं और न ही बच्चा ऐसी कोई आवश्यकता समझता है कि वह माफी मांगने की इस क्रिया का मतलब समझे। मां-बाप मान लेते हैं कि 'सॉरी' कहकर बच्चा सुधर गया और अक्सर बच्चा मान लेता है कि चलो बला टली!

लेकिन हमारी संसद में 'माफी' वाली बला आसानी से टलती दिखाई नहीं दे रही। महत्वपूर्ण बजट-सत्र की दूसरी पारी, क्रिकेट की भाषा में कहें तो, धुलती नज़र आ रही है। पर हकीकत यह है कि हमारी राजनीति की चादर धुलने के बजाय और मैली होती जा रही है। रोज़ हमारे सांसद संसद के सदनों में जाते हैं, दोनों पक्ष रोज़ शोर-शराबा मचाते हैं और फिर पीठासीन अधिकारी सदन की कार्यवाही स्थगित कर देते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष इस ज़िद पर अड़ा हुआ है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी लंदन में की गयी अपनी 'ग़लती' के लिए संसद में क्षमा मांगें और विपक्ष का कहना है कि जब ग़लती हुई ही नहीं तो 'सॉरी' किस बात की। स्पष्ट है, यदि दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहते हैं तो बात बनने का कोई आधार नहीं बनता और यदि दोनों में से कोई एक पक्ष झुकता है तो इसे राजनीतिक जीत-हार की तरह भुनाने की कोशिश होगी। और सच बात यह है कि राजनीति के इस दांव-पेच में नुकसान जनतंत्र का हो रहा है।

जनतांत्रिक व्यवस्था में विवाद सुलझाने का तरीका संवाद होता है, पर यदि संवाद की सारी प्रक्रिया नारेबाज़ी का शिकार बन कर रह जाये तो विवाद सुलझेगा कैसे? मान लीजिए सत्तारूढ़ पक्ष अपनी मांग से पीछे नहीं हटता और इस बात पर अड़ा रहता है कि राहुल गांधी माफी मांगें, और विपक्ष जवाब में अडानी कांड में जेपीसी नियुक्त करने की धुन अलापता रहता है तो क्या होगा? होगा यह कि सदन में बिना किसी विचार-विमर्श के, सत्तारूढ़ पक्ष शोर-शराबे के बीच अपने विधेयक पारित करा लेगा, भारी बहुमत के चलते संसद में बजट भी बिना किसी बहस के पारित हो जायेगा और संसद की कार्यवाही अगले सत्र के लिए स्थगित कर दी जायेगी! सवाल यह उठता है कि राजनीति के इस घटिया खेल में जीत किसकी हुई, और हारा कौन? जीत किसी की भी हो, इस तरह की घटिया राजनीति में हारता जनतंत्र ही है।

'माफी मांगो' और 'जेपीसी नियुक्त करो' के इस शोर में अनसुनी विवेक की आवाज़ की हो रही है।

जिस 'अपराध' के लिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग हो रही है, वह यदि अपराध है तो यह अपराध तो वे पहले भी करते रहे हैं। संसद में, और संसद के बाहर, यह बात राहुल गांधी समेत अन्य कई लोग भी बार-बार कहते रहे हैं कि देश में जनतांत्रिक व्यवस्था चरमरा रही है। सत्तारूढ़ पक्ष पर बार-बार यह आरोप लगता रहा है कि वह भारी-भरकम बहुमत का ग़लत लाभ उठा रहा है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी स्वायत्त एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी अक्सर लगते रहे हैं। नया यदि कुछ हुआ है तो सिर्फ यह कि इस बार विपक्ष के नेता ने यही सब बातें लंदन में जाकर कह दी हैं। लेकिन सवाल उठता है कि देश के बाहर जाकर यह सब कहना अधिक गंभीर अपराध कैसे हो गया? संचार-क्रांति के इस युग में, जब कोई बात पलभर में विश्व-व्यापी हो जाती है, यह कैसे मान लिया गया कि लंदन वालों को यह पता नहीं होगा कि भारत में विपक्ष सत्तारूढ़ दल पर किस तरह के आरोप लगा रहा है? और सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि बजाय इसके कि आरोप की जांच हो, उस पर कोई कार्रवाई हो, आरोप लगना ही ऐसा अपराध कैसे हो गया कि जिसके लिए क्षमा मांगी जाये? या जिसके कारण संसद की कार्यवाही ठप्प हो जाए?

क्षमा मांगना छोटी बात नहीं है, बहुत मुश्किल होता है क्षमा मांगना, और उतना ही मुश्किल होता है दिल से क्षमा करना भी। 'सॉरी' कह देना कुछ माने नहीं रखता, यह अनुभव करना माने रखता है कि मुझसे कोई ग़लती, कोई अपराध हो गया है। इसी तरह किसी की माफी को स्वीकारना भी आसान काम नहीं है। माफ करने का मतलब होता है, बीती को बिसार देना, और बीती को बिसारने का मतलब है किसी की ग़लतियों को भूलकर नये सिरे से रिश्तों की शुरुआत करना। क्या हमारा सत्तारूढ़ दल ऐसी किसी शुरुआत के लिए तैयार है? हमारी राजनीति में माफी मांगने, और माफ करने के नाटक पहले भी होते रहे हैं। कोई अर्थ नहीं है ऐसे किसी नाटक का यदि उद्देश्य मात्र राजनीतिक लाभ उठाना ही हो। राजनीति के इस दांव-पेच में घायल हमारा जनतंत्र हो रहा है। देश इस बात से बदनाम नहीं होता कि किसी नेता ने विदेश में जाकर भारत में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ की बात कह दी है, देश बदनाम इस बात से हो रहा है कि देश में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सात दिन तक संसद के दोनों सदनों में सिर्फ शोर-शराबा हो और कार्यवाही के नाम पर सदन के स्थगन की घोषणा मात्र हो, इससे बदनाम होता है जनतंत्र। देश बदनाम इस बात से भी हो रहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सारी कार्रवाई विपक्ष के नेताओं पर ही क्यों हो रही है और जनतंत्र इसलिए बदनाम हो रहा है कि कोई आरोपी नेता दल-बदल कर सत्तारूढ़ पक्ष में आ जाता है तो उसके खिलाफ लगाये गये आरोप चुपचाप ठंडे बस्ते में क्यों चले जाते हैं?

रहा सवाल माफी मांगने का तो 'सॉरी' कह देना ही पर्याप्त नहीं होता, अपनी ग़लती को स्वीकारना होता है और संकल्प करना होता है कि मैं यह ग़लती फिर नहीं करूंगा। छोटे बच्चे से जब 'सॉरी' कहलवाया जाता है तो वह अक्सर यंत्रवत?् बोल देता है शब्द, अनुभव नहीं करता वह कोई शब्द बोल देने के अर्थ को। हमारे राजनेताओं को अपने अपराधों को समझना होगा। साथ ही, क्षमा हमारी राजनीति के सारे अपराधियों को मांगनी होगी, और देश की जनता से मांगी जानी चाहिए यह क्षमा। जनतंत्र की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले हमारे राजनेता इस देश की जनता के प्रति अपराधी हैं। सिर्फ राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से की जाने वाली राजनीति अपने आप में एक अपराध है। आज हमारी संसद में जो कुछ हो रहा है, वह एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही पेश कर रहा है। संसद की कार्यवाही विवेकपूर्ण ढंग से चले, यह दायित्व हर सांसद का है। भारी बहुमत वाले सत्तारूढ़ पक्ष का दायित्व तो और बढ़ जाता है। संसद में गंभीर विचार-विमर्श के बजाय मात्र नारेबाजी करना किसी भी पक्ष को शोभा नहीं देता। अपराध है यह। इससे आहत होती है जनतंत्र और देश की गरिमा। माफी इस बात के लिए मांगी जानी चाहिए।

दुर्भाग्य से सांसद हूं कहने वाले राहुल गांधी का दुर्भगाय खत्म ..

हैरान होने और बवाल काटने की कोई जरुरत नही, राहुल गांधी को देखते हुए मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि सदस्यता जाने के तो सुख ही सुख है ।और कही अगर उनकी राजनीतिक सदस्यता खत्म हो तो परमानंद हो जाए ।लोकसभा सदस्यता जाने पर कहूंगा की वह सबसे पहले तो दुर्भाग्य था जो सही हो गया ।वायनाड के समाज की तरक्की मे उनका योगदान भले ही हो न हो पर अर्थ आवर और कॉमेडी आवर तो है ही ।राहुल लोकसभा में नही तो जोक और मिम्स भी कम आएगा और उन आईटी सेल के पैसों से आप बचत भी कर सकते है और मौज मस्ती भी ।बुजुर्ग लोग राहुल के लोकसभा में न होने पर हाथ का पंजा दिखाएंगे , उंगली करेगें तो कन्धों के जोडो की अकडन खुल जाएगी ।सत्ता मे पप्पूगिरी कम होगी !अरे भई, राहुल के ना होने की वजह से ठहाके ही नही लगेंगे , राहुल के ना रहने से खड़गे और दिग्विजय के आपसी झगडे कम होगें दोनो बजाय एक दूसरे को कोसने के कमलनाथ को कोसेंगे ।इससे मन की भडास भी निकल जाएगी और मन को अभूतपूर्व शांति भी मिलेगी ।अब लोकसभा में राहुल के ना होने पर आप घर से बाहर निकलेगे अडोस पडोस मे पूछेगे राहुल के बारे में ,फिर धीरे धीरे जान पहचान होगी और विपक्ष से दोस्ती हो जाएगी ।राहुल के न होने की वजह से आप श्रृंगार और वीर रस के कवि या लेखक बन सकते हैं ।ऐसे लेख निकलेगें आपकी कलम से कि बस पूछिए ही मत ।और तो और आप जोशीले नेता भी बन सकते है ।नारेबाजी, धरना-प्रदर्शन, जलूस की अगवाई में महारथ हासिल हो सकती है ।सूरत से जेल और बेल के बाद राहुल की संसदीय सदस्यता ख़त्म।अजी इतनी जल्दी भी क्या थी ।अडानी ने यदि गलत भी किया था तो 100 दिन इंतज़ार तो कर लेते पर लगे अडानी विथ मोदी कहने ।लगता यह है कि यह पूरा एक बड़ा गेम था हिंनडनबर्ग के साथ ।संसद में अडानी मामले में जेपीसी की मांग पर शक और गहरा हो जाता है की कही राहुल विदेशी एजेंट तो नही थे । बवाल इस हद पहुंचा कि अठारह विपक्षी दलों की मांग

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

लगता यह है कि यह पूरा एक बड़ा गेम था हिंनडनबर्ग के साथ ।संसद में अडानी मामले में जेपीसी की मांग पर शक और गहरा हो जाता है की कही राहुल विदेशी एजेंट तो नही थे । बवाल इस हद पहुंचा कि अठारह विपक्षी दलों की मांग मानी गई और राहुल की सदस्यता को खत्म कर दिया गया ।

मानी गई और राहुल की सदस्यता को खत्म कर दिया गया ।

मोदी जी से उन्हें कैसा डर था कि जब उनसे माफी की मांग की गई तो उन्होंने देशहित में माफी मांगने से इंकार किया ।अब जब चार साल से पेंडिंग मामले को यकायक उठाकर राहुल गांधी को जेल मिला तो कांग्रेसियों को क्या मिला ? सब गलत टाइमिंग का परिणाम ।दो साल की सजा और 15हजार के जुर्माने की सजा सुना दी गई।लेकिन दूसरे ही पल कोर्ट ने उन्हें 30 दिनों की जमानत दे दी।23मार्च के फैसले के तत्काल बाद आज 24मार्च को उनकी 24घंटे में वायनाड से संसदीय सदस्यता ख़त्म कर दी गई ।ये सोचने विवश करता है कि एक जिला कोर्ट की कार्यवाही पर यह न्याय पूर्ण रवैया अख्तियार किया गया तो ब्लैक डे क्यों ? अब आरोपी जमानत पर हैं और उसे अगली अदालत में मामला ले जाने की इज़ाजत दी गई है।बहरहाल इस कार्रवाई से साफ़ है कि राहुल के अजीब बयानबाजी ने जिसे आज भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में बसे लोग भी हाथों हाथ लेकर, जाहिर कॉमेडी कर रहे हैं ।भारत सरकार को नागवार गुजरा है और इसीलिए न्याय में माहिर अपनी कारगुज़ारी का फायदा उठाया है ।यह बात इस आपाधापी ने भी सिद्ध कर दी है कि मोदी जी ने जो बात कही वह सीधे चोट की है ।इसे ही कहते हैं चोर खुद अपने जाल में आ गया। उन्हें क्या ज़रूरत थी इतने उतावलेपन में नीरव मोदी को टारगेट करने का ।अब तो लगता है जो जो बातें लोगों ने कहीं हैं उस बहाने काफी दिन तक जेल की तैयारी में सरकार है ।उधर विपक्षी दल का भी जेल भरो अभियान की तैयारी शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस भी ज़िदादिली के साथ मैदान में है ।राहुल गांधी मामले में वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण का बयान सामने आया है प्रशांत भूषण ने कहा कि जब कोर्ट ने सजा के लिए 1 महीने का समय दिया है। लेकिन लोकसभा ने एक दिन के भीतर फैसला लेकर संसद सदस्यता के लिए अयोग्य कर दिया राहुल गांधी को अडानी के खिलाफ बोलने की कीमत चुकानी पड़ी है। राहुल गांधी ने नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी को चोर कहा ।और यह पूछा कि ऐसा क्यों है कि सब चोरों के नाम मोदी हैं। ?यह नहीं कहा कि सब मोदी चोर हैं ।फिर भी किसी मोदी के मानहानि की कंप्लेंट पर उनको 2 साल की सजा! ताकि उनको संसद से बर्खास्त कर दिया जाए?यह भारत के लोकतंत्र का हाल है ।कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट कर कहा, 卐राहुल गांधी जी की लोकसभा सदस्यता ख़त्म कर दी गई ।वह आपके और इस देश के लिए लगातार सड़क से संसद तक लड़ रहे हैं, लोकतंत्र को बचाने की हर सम्भव कोशिश कर रहे हैं. हर षड्यंत्र के बावजूद वह यह लड़ाई हर क़ीमत पर जारी रखेंगे और इस मामले में न्यायसंगत कार्यवाही करेंगे लड़ाई जारी है卐 अखिलेश यादव अरविंद केजरीवाल,ममता बनर्जी आदि कई नेताओं ने सरकार के इस कृत्य की निंदा की है ।भारतीय लोकतंत्र में इतना तावरित न्याय कभी नहीं देखा गया जब विपक्ष के सांसदों ने सदन नहीं चलने दिया यह सिर्फ इसलिए ताकि मोदी की आवाज ही ना सुनी जाए।लगता है अब नंगई सिर चढ़कर बोलने लगी है ।आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह दिल्ली कांग्रेस की सरे आम पोल खोल रहे हैं।उन्हें बेशर्म

मिस एंड मिसेज इंडिया एंड नारी शक्ति सम्मान 2023' समारोह सम्पन्न

मुम्बई की चर्चित स्वयंसेवी संस्था कृष्णा चौहान फाउंडेशन के संस्थापक डॉ कृष्णा चौहान द्वारा अंधेरी (पश्चिम), मुम्बई स्थित मेयर हॉल में आयोजित 'मिस एंड मिसेज इंडिया एंड नारी शक्ति सम्मान 2023' अवार्ड समारोह अभिनेत्री सुजाता मेहता, आरती नागपाल, सिंगर दीपा नारायण झा, ऋतु पाठक, संगीतकार दिलीप सेन, एंकर सिमरनआहूजा, बीएन तिवारी और कॉमेडियन सुनील पाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सभी विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित करने के साथ साथ शीरीं फरीद, डॉ अर्चना देशमुख, कमल चीमा, सोनिया महेश्वरी, निकिता शर्मा मॉडल इंदौर, उषा कनौजिया, स्वीटी शेखावत, रेशमा शेख (ब्राइट), प्रकाश तिवारी मधुर सिंगर, सिल्की, प्रवति समद्दर को इस सम्मान से नवाजा गया। यहां मिस इंडिया 2023 की विनर अनुश्री उमेश देसाई घोषित की गईं जबकि मिस इंडिया 2023 की फर्स्ट रनरअप मोनी, सेकंड रनरअप जान्हवी राठौड़ और थर्ड रनरअप सेजल जितेंद्र तिवारी थीं। मिसेज इंडिया 2023 की सिल्वर क्लास की विनर माया सरगोवरी और डायमंड क्लास की विनर प्रवति समद्दर थीं ।सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस प्रोग्राम की बखूबी एंकरिंग की। इस अवार्ड समारोह के सीजन 2 की सफलता पर डॉ कृष्णा चौहान बेहद उत्साहित नज़र आये। अपने सभी अवार्ड समारोह में समाज सेवकों, बिज़नेसमैन, फ़िल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ साथ डॉ कृष्णा चौहान कई पत्रकारों, फोटोग्राफर को भी सम्मान से नवाजते हैं, इसबार भी उन्होंने कई पत्रकारों को सम्मानित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ कृष्णा चौहान अपने जन्मदिन 4 मई को 'लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड समारोह' का चौथी बार मुम्बई में आयोजन करने जा रहे हैं। इस बार भी सिनेमा, टीवी शोज और वेब सीरीज के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

राजनीतिक धमासान! नेताजी, हम मतदाता सबकुछ देख, सोच और समझ रहे हैं

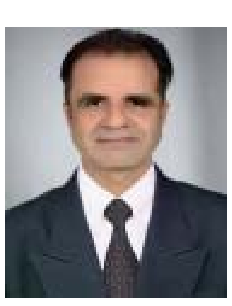

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का आगाज़ आज पूरी दुनिया में हो रहा है, क्योंकि जिस तरह कोविड महामारी से उबरने से लेकर अर्थचक्र तक जिस ज़ज्बे और जांबाज़ी से मुकाबला कर अपने विकास की रफ्तार तेज की है, उस सफ़लता पर दुनिया हैरान है। यह स्वाभाविक ही है कि जब कोई सफ़लता की सीढ़ियां स्पीड से चढ़ रहा हो तो गिराने वाले भी मैदान में कूद पड़ते हैं। दूसरे शब्दों में सफ़लता भी सिर चढ़ाकर अहंकार की ओर मोड़ने के तरीकों से भिड़ाती है, ताकि बंदा उसमें फंसकर उलझे और मैं फुर हो जाऊं। याने यहां दो तरफ से भारत को मुकाबला करना है, पहला गिराने वालों से दूसरा सफ़लता के अहंकार से मुकाबला करना है। चूंकि वर्तमान कुछ समय से भारतीय राजनीति में घमासान छाया हुआ है, चाहे उद्योगपति रिपोर्ट हो याफिर विदेशों में युवा नेता के बयान और अब युवा नेता को दो वर्ष की सज़ा, फिर आज लोकसभा सदस्यता रद्द का मामला इत्यादि मामलों में लोकसभा का बजट सत्र प्रथम चरण और अब द्वितीय चरण बाधित हो भेंट चढ़ रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि पक्ष और विपक्ष दोनों का हंगामा सदन में हमें टीवी चैनलों के माध्यम से देखने को मिल रहा है। पक्ष माफी मांगने बोल रहा है तो विपक्ष जेपीसी की मांग कर रहा है। अब मामला सांसद सदस्यता खारिज पर जा पहुंचा है। पक्ष ओबीसी सम्मान बचाने सोमवार से सड़क पर उतरने की बात कर रहा है, तो विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं और संविधान को खतरे की बात कर रहा हैअब कानूनी लड़ाई राजनीतिक लड़ाई और घमासान की ओर जा रही है। इन सब मामलों को देख मतदाता कह रहा है, नेताजी हम मतदाता सारा नजारा देख, सुन,सोच, समझ रहे हैं। इसका जवाब मतदान से देंगे। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे राजनीतिक घमासान !साथियों बात अगर हम लोकसभा से युवा सांसद की सदस्यता समाप्त होने के बाद राजनीतिक घमासान की करें तो, राजनीतिक वार पलटवार का दौर जारी है। लगातार मुख्य विपक्षी दल पक्ष और केंद्र सरकार पर हमलावर है। दूसरी ओर आज युवा नेता ने भी साफ तौर पर कहा कि उद्योगपति मामले को लेकर केंद्र की सरकार घबरा गई है। उन्होंने कहा कि चाहे मुझे कोई अयोग्य ठहराएं या जेल में डाल दें, मैं लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। दूसरी ओर पक्ष उनके बयान को ओबीसी के अपमान से जोड़ रही है। पक्ष ने साफ तौर पर कहा है कि युवा नेता नेंओबीसी का अपमान किया है। इसके साथ ही पक्ष यहभी कह रहा है कि युवा नेता मामले का संबंध उद्योगपति प्रकरण से बिल्कुल भी नहीं है। दूसरी ओर युवा नेता ने साफ तौर पर कहा कि इस मामले से ध्यान भटकाने के लिए ओबीसी के अपमान का मुद्दा पक्ष की ओर से उठाया जा रहा है। पक्ष के बड़े नेता ने शनिवार को उन आरोपों को खारिज कर दिया कि युवा नेता को लोकसभा से इसलिए अयोग्य ठहराया गया, क्योंकि पीएम उद्योगपति मुद्दे पर उनके सवालों से 'डरे' हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी ने आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने के लिये गुजरात की एक अदालत द्वारा युवा नेता की दोषसिद्धि के खिलाफ फैसले पर तत्काल रोक लगवाने के लिए कदम नहीं उठाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, उनकी बहन का बयान इस बात की पुष्टि करता है कि उनकी पार्टीने कर्नाटक चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपने कानूनी विशेषज्ञों को सेवा में नहीं लगाया। एक नेता के मामले में जो तत्परता दिखाई गई थी, इस मामले में उनकी विफलता से क्या समझा सकता है?कुल मिलाकर देखकर तो राजनीतिक घमासान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। युवा नेता के अलावा विपक्ष कई नेताओं ने पक्ष पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। विपक्षी पार्टी इसको लेकर बड़ी बैठक कर चुका है। उनका पूरे देश भर में प्रदर्शन का प्लान है। देशभर में प्रदर्शन की शुरुआत की जाएगी। आज भी देश के अलग-अलग हिस्सों में युवा नेता के समर्थन में प्रदर्शन हुआ है। उनको अयोग्य ठहराए जाने के बाद उनके संसदीय क्षेत्र में भी कार्यकर्ताओं ने पीएम का पुतला फूंका है। पक्ष के राज्यसभा सांसद ने दावा किया कि युवा नेता को दंडित इसलिए किया गया है क्योंकि उन्होंने पिछड़े वर्ग के लोगों का अपमान किया और पक्ष का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, अदालत ने उन्हें मोदी उपनाम वाले लोगों का अपमान करने का दोषी ठहराया है। उन्होंने पिछड़े वर्ग के लोगों का अपमान किया है और अदालत ने उन्हें सजा दी है। पक्ष का इससे कोई लेना-देना नहीं है ।साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद और नेता की करें तो, एक नेता और राज्यसभा सांसद की मुश्किलें बढ़ गई हैं। युवा नेता को संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद अब इनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ महाराष्ट्र विधानपरिषद की आलोचना के मामले में विशेषाधिकार हनन के मामले में सुनवाई हुई, जिसमें उनके जवाब को असंतोषजनक पाया गया है. इसके बाद उनके खिलाफ प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति के पास भेज दिया गया है। उन्होंने कथित तौर पर महाराष्ट्र विधानपरिषद के सदस्यों को चोर मंडली कह कर संबोधित किया था ।साथियों बात अगर हम मतदाता की ताकत मतदान की करें तो पिछले कई दशकों से हम देख रहे हैं कि मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत बहुत कम होता है किसी राज्य में 50 फ़ीसदी से भी कभी-कभी कम होता है।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

-सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

इंडिगो एयरलाइंस के द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय अहिरवा में बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर(विनय कुमार)उच्च प्राथमिक विद्यालय अहिरवा में इंचार्ज प्रधानाध्यापक राजकुमार अग्निहोत्री के आवाहन पर इंडिगो एयरलाइंस के रोहित गुप्ता रैंप मैनेजर के सौजन्य से रामा हॉस्पिटल मंधना द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डॉक्टर अरुण कुमार के पर्यवेक्षण में डॉक्टर कविता पाठक व डॉ उमेश सचान ने आंखों की जांच व दांतों की जांच की। दांतों की जांच डॉक्टर अभय डॉक्टर अनन्या सिंह डॉक्टर आकर्षिता श्रीवास्तव व डॉक्टर अभिषेक सिंह ने की।तथा अभिलाश व खुशबू कुशवाहा ने बतौर जनरल फिजिशियन बच्चों, अभिभावकों सहित लगभग 200 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार से श्रीमती अर्चना, हुस्ना, पूनम व हरी शंकर आदि उपस्थित रहे।

एडीबिल ऑयल मिल में गैस सिलेंडर फटा, छह मजदूर गंभीर रूप से घायल

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। कानपुर देहात के रनिया इंडस्ट्रियल क्षेत्र के वैभव एडीबिल ऑयल मिल में शुक्रवार सुबह गैस सिलेंडर फट गया। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि छह मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। वैभव एडीबिल ऑयल मिल फैक्ट्री में ही तीन मंजिला लेबर कालोनी बनाए था। हादसे में कालोनी के तीन कमरे और छत के परखच्चे उड़ गए। घटनास्थल पर अधिकारी पहुंचे है। हादसे में राजीव पुत्र छोटे की मौत हो गई। जबकि राजेश, संगीता,आदर्श, आशीष,राजू व रोहित घायल हो गए।

बिहारी समाज ने मनाया बिहार दिवस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिहार दिवस के उपलक्ष में बिहार समाज सेवा समिति के द्वारा तृतीय परिवार मिलन समारोह आयोजित किया गया। बर्रा के जी पी गेस्ट हाउस में इस कार्यक्रम में लगभग डेढ़ सौ परिवार के पांच सौ सदस्यों ने अपनी सहभागिता की। मुख्य अतिथि के रूप में टी एम शेड के सिनियर डीईई श्री जनार्दन प्रसाद सिंह और गणेशचंद्र विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर श्री आर एन ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सदस्य परिवारों के महिलाओं एवं बच्चों ने एक से बढ़ कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सभी सहभागी सदस्यों को बिहारी की पहचान गमछा देकर सम्मानित किया गया एवं बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार के मैडल और मोमेंटो से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्य रेलवे के कर्मचारी, सुपरवाइजर एवं अधिकारी थे। चीफ लोको इंस्पेक्टर रंजीत राय, ए के मंडल, पी एस शर्मा, एम के झा, गिरेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र, विपिन, अमित, प्रवीण, मनिहरण, कुन्दन, राकेश रंजन, राजेश रंजन, हरे कृष्ण, आदि सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

चलो बराहदेवी धाम, जहां बनते बिगड़े काम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उस परम शक्ति की अनुभूति का वर्णन हो सकता है ? परन्तु वाणी मौन होकर भी अंत:करण को आनन्द प्रदान करती है। परमारध्या भगवती के नाम अनेक है, नाम अनेक है ओर अनंत शक्तियां है। चराचर जगत के कण कण में व्याप्त उनके समस्त स्वरूप कल्याणकारी है। जिन्हे अनुभूतित करते हुये भक्त निहाल होते रहते है। कानपुर नगर के दक्षिण का गौरव कहा जाने वाला जूही स्थित मां बराह देवी का मंदिर सम्पूर्ण नगर के लिये परम श्रृद्धास्पध स्थान है। कानपुर स्टेशन से लगभग आठ किलोमीटर दूर दक्षिण में बसा जूही स्थान मे आज से लगभग 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना हुई थी। इस मंदिर के बारे में किदवंती है कि जहां ये मंदिर स्थल है वहां से कुछ दूर अर्रा गांव में लठुवा बाबा, की बारा कन्याऐं थी, उनमें से जो सबसे बडी बहन थी उसका विवाह अर्रा गांव में तय कर दिया गया। बडे ही धूम-धाम के साथ उसकी बारात दरवाजे आई और रात्रि में जब भांवरे पड रही थी उसकी समय उसके पिता द्वारा अनुचित व्यवहार से कुपित होकर छठवीं भांवर के समय पूरी बरात समेत अपने तप के प्रभाव से पाषाण कर दिया और स्वयं भी पत्थर में परिवर्तित हो गयी। उक्त स्थान पर एक नीम का पेड हुआ करता था जहां कालांतर में सात प्रकार की मूर्तिया प्राप्त हुई है। उस काल के दौरान में यह सात बहने कही जाती थी। जिससे यह प्रमाणित होता है कि ये उन्ही सात बहनों के प्रतीक चिन्ह है। यह बात पुरातत्व विभाग ने भी प्रमाणित मानी है। जिसमें पांच बहने बर्रा गांव में अभी भी स्थापित है। आगे चलकर उन देवियों में एक तेली को स्वपन देकर अपनी उपस्थिति का आभास कराया और उक्त मंदिर के चार बडे (चारो दिशाओं में) गेट बने हुये है एवं गगनचुंबी गुंबज चौराहे से दिखाई देते है। उक्त मंदिर का कई बार जीणोद्धार हो चुका है।गत सात पीढियों से मंदिर की सेवा में रत कल्लू माली का परिवार है। उनके बेटे बहू और नाती अब मंदिर की सेवा में हिस्सा लेते है। मंदिर में दोनों नावरात्रों में भव्य मेले का आयोजन हुआ करता है। जो कि नगर के बडे मेलो में प्रचलित है। यहां की क्षेत्र रक्षक देवी के रूप में मानने वाले कुछ संप्रदाय यहां मुण्डन संस्कार, विवाह संस्कार व अन्य संस्कारों को कराते है। मंदिर में अपनी सात बहनों के साथ बिराजी वराहदेवी भक्तों के सभी मनोरथ पूर्ण करती है और यहां आने वाला हर भक्त यह कहता है- भक्तों पर करती हो कृपा हर पल, भक्त वत्सला कहलाती हो।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जख्मीं

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र में दुर्गा मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक बाइक सवार युवकों को टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला। हादसे में बाइक सवार दोनो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। रहगीरो की सूचना पर पहुंची सजेती पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाने के साथ यूवको को हमीरपुर जिलास्पतल पहुंचाया है। हमीरपुर जिले के खालेपुरा निवासी 35 वर्षीय हेमंत कुमार ने बताया कि वह गुरुवार रात झारखंड के गढ़वा जिले के सुनहरा गांव निवासी अपने साथी 42 वर्षीय संजय के साथ मोटरसाइकिल से हमीरपुर जा रहे थे। दोनों यमुना तटवर्ती स्थित नेयवेली पावर प्लांट में मजदूरी का काम करते हैं। दोनो मोटरसाइकिल से दुर्गा मोड़ मोड के पास पहुंचे ही थे, की घाटमपुर की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक बाइक सवार युवकों को पीछे से टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला।

8 अप्रैल को विकलांग व्यक्तियों का सामूहिक विवाह सेन्ट्रल पार्क में होगा आयोजित

एसोसिएशन द्वारा घर बसाओं-पुण्य कमाओं कन्यादान योजना में शामिल होने की लोगों से की अपील

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी 8 अप्रैल को विकलांग एसोसिएशन द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन शास्त्री नगर के सेंट्रल पार्क में किया जा रहा है, जिसमें एसोसिएशन द्वारा घर बसाओं-पुण्य कमाओं कन्यादान योजना में शामिल होने के लिए लोगों से भी अपील की गयी है। इतना ही नही सामूहिम विवाह में शामिल होने वाले व्यक्तियों को सरकार की विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ विकलांग एसो0 द्वारा दिलाया जायेगा।इस सम्बन्ध मे एसो0 के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि गरीब व अनाथ विकलांग लडकियों के विवाह के लिए ऐसो0 ने घर बसाओं पुण्य कमाओं कन्यादान योजना शुरू की है, जिसमें विवाह का सारा खर्च विकलांग एसो0 वहन करेगी, जिन होने के पुत्र नही है या जो लोग कन्यादान करने के इच्छुक हो उन्हे इस योजना में शामिल किया जायेगा, जिसके लिए उन्हे लिखित सहमति देनी होगी। उन्होने कहा कि शास्त्री नगर सेंट्रल पार्क बगिया में सामूहिक विवाह के लिए आवेदन प्राप्त किये जा सकते है तथा कन्यादान करने वाले व्यक्ति मो0 नं0. 9335234399 व 9919629658 पर संपर्क कर सकते है। बताया कि सरकारी योजना के तहत इस विवाह में शारीरिक रूप से स्वस्थ लडके विकलांग लउकी से विवाह करेंगे तो उनहे पुरसकार के रूप में 20 हजार, शारीरिक रूप से स्वस्थ लडकी यदि विकलांग लडके से विवाह करेगे तो उन्हे 15 हजार व दोनो के विकलांग होने पर 35 हजार मिलेगा।

जल ना बचाया तो तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए संभव : ज्योति बाबा

बीपीएस न्यूज

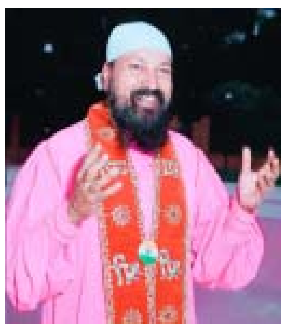

कानपुर। । विश्व जल दिवस 2023 की थीम है कि पानी और सैनिटाइजेशन की क्राइसिस को दूर करने के लिए तेज गति से वर्तमान स्थितियों को ध्यान में रखते हुए बदलाव करने होंगे, पृथ्वी का 71त्न हिस्सा पानी से ढका हुआ है 1.6 प्रतिशत पानी जमीन के नीचे और 97त्न सागरो और महासागरों में है जो पीने के काम नहीं आता है केवल 3त्न पानी ही पीने के लायक है विश्व जल दिवस का उद्देश्य दुनिया के सभी देशों में स्वच्छ और सुरक्षित जल को सभी लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ जल के संरक्षण पर भी ध्यान देना है उपरोक्त बात नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के तहत सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान में मिडास परिवार,नमो नमो क्रांति फाउंडेशन, अनादि सेवा समिति के सहयोग से विश्व जल दिवस एवं चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन,हिंदू नव वर्ष के अवसर पर आयोजित वेबीनार शीर्षक जल है तो कल है जल ही जीवन है पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख,नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के नेशनल ब्रांड एंबेसडर योग गुरु ज्योति बाबा ने कही, ज्योति बाबा ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने भी एक बार अपने भाषण के दौरान लोगों को चेताते हुए कहा था कि ध्यान रहे कि आग पानी में भी लगती है और कहीं ऐसा ना हो कि अगला विश्वयुद्ध पानी के मसले पर हो, ज्योति बाबा ने आगे बताया कि संयुक्त राष्ट्र के छठे महासचिव बुतरस घाली ने करीब तीन दशक पहले ही यह कह दिया था अगर समय रहते इंसानों ने जल की महत्ता को नहीं समझा तो अगला विश्वयुद्ध जल को लेकर होगा,ज्योति बाबा ने आगे कहा कि 28 जुलाई 2010 को संयुक्त राष्ट्र ने जल को मानवाधिकार घोषित कर दिया था परंतु आंकड़े बताते हैं कि स्वच्छ जल की अनुपलब्धता और दूषित जल को पीने से दुनियाभर में प्रतिदिन लगभग 2300 लोगों की मृत्यु हो जाती है और इसके अलावा दुनिया में 86त्न से अधिक बीमारियां दूषित और असुरक्षित पानी पीने से होती है इनसे बचने का एकमात्र उपाय जल संरक्षण की भारतीय पुरातन पद्धतियों को पुन: जीवित करना होगा। मिडास परिवार के उपेंद्र मिश्रा व शैलेंद्र पांडे ने कहा कि आज समाज में विकास के नाम पर बड़ी-बड़ी इमारतें बनाई जाती हैं लगातार पेड़ काटे जा रहे हैं उतने लगाएं नहीं जा रहे हैं जलस्रोत सूखते जा रहे हैं नदियों को कारखाने का कचरा दूषित कर रहा है भूमिगत जल खिसकता जा रहा है यह सब भविष्य के लिए खतरे की घंटी है राष्ट्रीय भागवत आचार्य सुमित शास्त्री ने कहा कि जल संरक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल उपलब्ध हो,प्रदेश की प्रमुख समाजसेविका बिंदु अग्रवाल,इकबाल कौर,रोज सिंह व प्रीति सोनकर ने संयुक्त रूप से कहा कि जल संरक्षण एवं प्रबंधन में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण की समस्या काफी हद तक दूर की जा सकती है इतिहास की ज्यादातर सभ्यताओं ने जल और महिलाओं को जीवन का स्रोत माना है इसीलिए महिलाओं को जल प्रबंधन एवं स्वच्छता संबंधी परियोजनाओं में शत प्रतिशत सफलता के लिए शामिल किया जाना आवश्यक है अंत में योग गुरु ज्योति बाबा ने नशा मुक्त जीवन का मंत्र सभी को देते हुए जल संरक्षण का संकल्प कराया।

रामत्व से राम राज्य एक सनातन यात्रा 26 को

कानपुर। हर भारतीय के दिल में रामराज्य का सपना हमेशा बना रहता है। आखिर रामराज्य की चाहत हर दिल में क्यों रहती है? इसका सीधा और सरल जवाब है - हर प्राणी मात्र का सर्वांगीण सुखी रहना। सनातन वैदिक रामराज परिषद के अध्यक्ष अजय कुमार मिश्र ने कानपुर प्रेसक्लब में वार्ता के दौरान बताया कि त्रेतायुग में चैत्र की पंचमी तिथि को राम जी सिंहासन पर आरूढ़ हुए थे । इसी परिप्रेक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र शुक्ल पंचमी रविवार (26 मार्च) को राम लला मन्दिर, रावतपुर गाँव में चित्रकूट से पधारे सन्तों श्री श्री 108 परम् पूज्य त्रिलोकीनाथ ,एवमं आचार्य राकेश शास्त्री के निर्देशन में पूजन पाठ, और शाम 5 से 9 शास्त्री भवन खलासी लाइन रामत्व से राम राज्य-एक सनातन यात्रा विषय पर प्रबुद्ध जनों के विचार पुष्प हमारे सामने विखरेंगे।

महाराणा प्रताप सिंह जयंती पर विशाल कार्यक्रम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। (दिलीप कुमार मिश्रा) महाराणा प्रताप सिंह जयंती के अवसर पर इस वर्ष विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, यह बात निवर्तमान विघायक लाल सिंह तोमर ने काजीखेडा मे बलराम सिंह के निवास पर पत्रकारो से बातचीत करने के दौरान कही, उन्होने यह भी कहा कि दो बर्ष से करोना के कारण समारोह नही हो पा रहा था, इस वर्ष उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत करके उनको आमंत्रित किया जा रहा है।

जिसमे समाज मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियो व मेधावी छात्र व छात्राओ को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया है।

श्रत्रीय समाज के कोषाध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि 9 मई 2023 के कार्यक्रम मे पत्रिका का भी विमोचन किया जायेगा।

संस्था लगातार गरीब, असहाय और जरूरतमंद की मदद करती आ रही है।इस पत्रकार वार्ता मे बलराम सिह, कर्नल के के सिह, भूपेंद्र सिह , रमन शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

सुषमा स्वराज अवार्ड से सम्मानित हुई अमृता मसीह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय गल्लामंडी नौबस्ता में क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती उर्विजा दीक्षित द्वारा श्रीमति सुषमा स्वारज जी की याद में प्रदेश भर मे सुषमा स्वराज अवार्ड का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे सभी सम्मानित क्षेत्र की प्रवुद्ध वर्ग की बहनो को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अथिति के रूप प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलए और महिला मोर्चा प्रभारी मानीय विजय बहादुर पाठक जी द्वारा प्रबुद्ध वर्ग की महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिसमे सुषमा स्वराज अवार्ड से हृदय रोग संस्थान कानपुर में कार्यरत अमृता मसीह डाइटीशियन, एडवोकेट नीति बाजपेयी, अनामिका सिंह, एडवोकेट पुनम को सम्मानित किया गया।

मोटे अनाजों की लगाई प्रदर्शनी

बीपीएस न्यूज कानपुर। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स ईयर मनाएं जाने के अंतर्गत एस एन सेन बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या सविता यादव के आदेशानुसार विद्यालय की छात्राओं के द्वारा मोटे अनाजों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा विद्यालय के स्टाफ के मध्य मोटे अनाजों की महत्वता बताई गई नीता श्रीवास्तव ने को बताया कि मिलेट्स के पोषक तत्वों के महत्व एवं इसके उपयोग करने के फायदे बताएं एवं छात्राएं अपने आसपास के लोगों को मिलेट्स के प्रति जागरूक करेंगी।

मूल्यांकन केंद्र पर हुई शिक्षक नेता की पुलिस प्रशासन से झड़प

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सरयू नारायण बाल विधालय, आजाद नगर मूल्यांकन केंद्र पर जब शिक्षक एवं शिक्षिकाएं पुराने वर्षो के कक्ष निरीक्षक के पारिश्रमिक 2016 से लंबित भुगतान, विभिनन केंद्रों के मूल्यांकन पारिश्रमिक के भुगतान एवं प्रमुख रूप से डीएचई के पारिश्रमिक के भुगतान न होने की बात भाजपा के क्षेत्रीय सह संयोजक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ पाण्डेय गुट के युवा शिक्षक नेता शैलेन्द्र द्विवेदी को बता रहे थे, उसी समय पुलिस प्रशासन के लोगों ने रोकने का प्रयास किया, जिसपर शैलेन्द्र द्विवेदी, राहुल मिश्रा, बृजभूशण मिश्रा, शैलेन्द्र अवस्थी आदि की पुलिस प्रशासन से झडप एवं कहासुनी हुई और केंद्र में उपस्थित शिक्षकों ने विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी भी की।इस दौरान विलंबित बोर्ड पारिश्रमिक के भगतान कराये जाने हेतु शिक्षक नेताओं ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि भुगतान सम्बन्धित कठिनाईयों को सीधे मा0 शिखा मंत्री के संज्ञान में लायेगे और शीध्र भुगतान कराया जायेगा। शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने यह भी बताया कि एक मात्र मूल्यांकन सरयू नारायण बाल विधालय, आजाद नगर केंद्र ऐसा है, जिसमें गेट पर शिक्षकों की उपस्थिती कर्मचारियों द्वारा लगवाई जाती है, जिसमें शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को गेट पर ही लाइन लगाकर असहजता की स्थिति का सामना करना पडता है। पर्यवेक्षक एवं स्एटिक मजिस्ट्रेट द्वारा की गई इस व्यवस्था पर शिक्षक नेताओं ने विरोध दर्ज कराया।

नन्हे मुन्ने बच्चे और बुजुर्गों ने किया रोजा अफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। माहे रमजान की मुबारक महीना शुरू होते ही घरों में इबादत नमाज की पाबंदी के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों बच्चों ने रोजा रखकर अल्लाह की बारगाह में दुआ की ए अल्लाह माहे रमजान मुबारक महीने के सदके में हमारे गुनाहों को माफ फरमा दे हमारे देश में चैनो अमन की मिसाल कायम करें जो लोग गरीबों के ऊपर अत्याचार करें अल्लाह उसका खात्मा करें! रमजान मुबारक महीने में घरों के अंदर हम सही अवतारी के लिए लोग इंतजाम करने में जुड़ जाते हैं फिर दस्तरखान लगाया जाता है अल्लाह की बारगाह में दोनों हाथ उठाकर दुआएं मांगी जाती हैं एक नेकी करने का 70 गुना सवाब हासिल होता है मुस्लिम समाज में रमजान मुबारक महीना बड़ेही के साथ मनाया जाता है! राष्ट्रीय लोक दल महानगर अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान अपने परिवार के साथ रोजा इफ्तार करते हुए! करते हुए!

प्रवर्तन टीमों ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

कानपुर। परिवहन आयुक्त लखनऊ द्वारा 22 मार्च, 2023 को वीडीओ कान्फ्रेसिंग के माध्यम से कानपुर मण्डल की समीक्षा बैठक की। बैठक में बकाया टैक्स और वाहनो की फिटनेस को लेकर कठोर कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। परिवहन आयुक्त के निर्देश के क्रम में उप परिवहन आयुक्त डा0 विजय कुमार ने आरटीओ प्रवर्तन विदिशा के नेतृत्व में चार टीमे गठित की जिनमें आरटीओ उदयवीर सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम सुनील दत्त, एआरटीओ मानवेन्द्र सिंह, एआरटीओ अम्बुज ने घाटमपुर मार्ग पर सघन चेकिंग अभियान चला कर 72 वाहनो पर कडी कार्यवाही की जिसमें ट्रक और टैक्सी गाडियां रही।

आरटीओ उदयवीर सिंह ने बताया कि परिवहन आयुक्त लखनऊ के द्वारा वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से मिले दिशा निर्देश के तहत कानपुर नगर के घाटमपुर मार्ग पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों ने 72 वाहनो के विरूद्ध चालान और वाहन को बंद करने की कार्यवाही थाना हनुमंत बिहार में की। उन्होंने बताया कि यह सभी वाहन कामर्शियल ट्रक और टैक्सी है। चेकिंग के दौरान अधिकांश गाडियां टैक्स बकाया, फिटनेस समाप्त होना और कई के तो प्रपत्र अपूर्ण मिल जिन पर विभागीय कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि अभी यह अभियान 31 मार्च तक जारी रहेगा। जिन वाहनो के कागज अपूर्ण मिलेंगे उन पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा साथ ही वाहन को सीज करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

ओम जन सेवा संस्थान का मनाया गया 5वां स्थापना दिवस समारोह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ओम जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में आज 5 वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन सपना पैलेस, साकेत नगर में सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना,समाज सेवी मुरारी लाल अग्रवाल, कैलाश पाण्डेय,कर्नल समीर कौशिक,सपना जायसवाल और जग महेंद्र अग्रवाल मनोज सेंगर ने दीप प्रज्वलित करके किया ।कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से किया गया अस्था पांडे ने कत्थक नृत्य कर आये अतिथियों को तालीबजाने पर मजबूर किया। सुजाता अरोरा एवं परविंदर सिंह जी ने साहित्य संगीत से सबका मन मोह लियाओम जन सेवा संस्थान की टीम ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवी, पत्रकार व शिक्षक कर्नल समीर कौशिक, सपना जायसवाल, जग महेंद्र अग्रवाल, कमल सिंह यादव सहित 151 लोगो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्षा शिव देवी अग्रहरि (सीमा) ने प्रगति आख्या प्रस्तुत किया ।मंच का संचालन एंकर शिवांगी द्विवेदी ने किया ।कार्यक्रम अध्यक्ष उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि ओम जन सेवा संस्थान लगातार समाज के हित के लिए कार्य कर रही है ।मुख्य अतिथि मुरारी लाल अग्रवाल ने अपने सम्बोधन मे कहा कि समाज को जागरूक करने के लिए नवयुवको को जागरूक होने की जरूरत है। देश की आगे बढ़ने के लिए गरीबों को ऊपर उठाने के लिए सोचना है।

मुख्य अतिथि मुरारी अग्रवाल को स्मृति चिन्ह व शाल ने देकर सम्मानित किया ।उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना को स्मृति चिन्ह उप सभापति कैलाश पाण्डेय व मनोज सेंगर एवम अनीत कुमार अग्रहरि राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवाधिकार एवं उपभोक्ता फोरम, नई दिल्ली ने दिया ।इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से शिव देवी अग्रहरि (सीमा) उमेश सिंह भदौरिया, इंजी. आयुष मौर्य, आकाश भदौरिया, रामचंद्र जी, पुष्पराज सिंह कछवाह, नमिता सिंह, गरिमा सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।।

गौरैया फिर आ जाओ, घर आंगन महकाओ, घर को वास्तुदोषों से मुक्त करती हमारी गौरैया: ज्योति बाबा

फसलों के लिए हानिकारक कीड़ों को समाप्त करने वाली गौरैया विलुप्त की कगार पर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत एक ऐसा देश है जहां पर पक्षियों की बहुत सारी प्रजातियां पाई जाती हैं जिनमें गौरैया का विशेष महत्व है गौरैया दिखने में सुंदर और छोटी होती है 6 से 7 वर्ष तक जीने वाली गौरैया को अक्सर हमने अपने घरों और पेड़ पौधों पर देखा होगा लेकिन आज के समय प्रकृति शोषण विकास परक नीतियों के कारण पेड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई और कीटनाशक पदार्थों के छिड़काव नदी तालाबों के प्रदूषित होने के साथ प्लास्टिक प्रयोग में बेतहाशा वृद्धि के कारण गौरैया विलुप्त होने की कगार पर है उपरोक्त बात नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के तहत सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान में विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर आयोजित वेबीनार शीर्षक प्रकृति संरक्षक हमारी गौरैया पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख,नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के नेशनल ब्रांड अंबेसडर योग गुरु ज्योति बाबा ने कही,ज्योति बाबा ने आगे कहा कि पक्षियां पर्यावरण के अभिन्न अंग होते हैं तभी तो प्रकृति का चित्र बनाते वक्त हम पेड़,पौधे,नदी,झरने के साथ पक्षियों को बनाना नहीं भूलते हैं खुले आसमान में अपने खूबसूरत पंखों से उड़ते पक्षी खूबसूरत और आकर्षक दृश्य उत्पन्न करते हैं लेकिन प्रदूषण की मार के चलते काफी सारे जीव जंतु विलुप्त होने की कगार पर हैं हर घर में कलरव करने वाली गौरैया हमारी भोगवादी नीति के कारण विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी है भगवान ने ना केवल मनुष्य को ही विशेष गुणों का तोहफा दिया है बल्कि पक्षियों को भी विशेष गुणों का तोहफा दिया है। मिडास परिवार के उपेंद्र मिश्रा व नमो नमो क्रांति फाउंडेशन के शैलेंद्र पांडे ने कहा कि गौरैया भी खाद्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है वो कैटलपियर,बीटल और एफिड्स जैसे छोटे कीड़ों और क्रमियों को खाकर उनकी संख्या को नियंत्रण में रखते हुए फसलों को बचाती है। राष्ट्रीय भागवताचार्य सुमित शास्त्री ने कहा कि गौरैया का मनुष्य जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है वास्तुशास्त्र के मुताबिक गौरैया जिस घर में अपना घोंसला बनाती है उस घर से स्वता ही 10 प्रकार के वास्तु दोष दूर होते हैं। प्रदेश की प्रमुख समाजसेविका बिंदु अग्रवाल, इकबाल कौर,रोज सिंह और प्रीति सोनकर ने संयुक्त रूप से कहा कि घर हमारे बड़े बड़े हो गए हैं पर दिल अपने छोटे, कि उनमें नन्ही सी गौरैया भी नहीं आ पा रही है घर-घर की चिड़िया गौरैया आज हमारी भौतिकता की अंधी दौड़ के चलते अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है अंत में योग गुरु ज्योति बाबा ने सभी को मानव जीवन की प्रसन्नता के लिए गौरैया बचाने हेतु दाना,पानी की व्यवस्था के साथ हर घर में घोंसला बनाने का संकल्प दिलाया।

बेटी पढ़ाओ योजना में राज्यमंत्री ने मेधावी छात्राओं को दिए चेक

बीपीएस न्यूज

कानपुर।बासन्तिक नवरात्र के अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढाओं योजना के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं का सम्मान व संवाद कार्यक्रम का आयोजन शताब्दी भवन सभागार एच0बी0टी0यू0 वेस्टर्न कैम्पस में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग प्रतिभा शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया।

अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में जनपद में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली 10-10 छात्राओं को सम्मानित किया गया, तथा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली एक-एक छात्रा को दस-दस हजार व शेष नौ-नौ छात्राओं को पाचॅ-पॉच हजार के चेक प्रदान किये गये, 05 कुपोषण के बच्चों को गौ वितरण किया गया तथा 11 कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट प्रदान की गई।11 बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया व 11 महिलाओं की गोदभराई की गई। बाल सेवा योजना के 32 छात्रों को लैपटॉप वितरित किया गया व विभिन्न सेक्टरों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 125 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की मंशा है कि महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाया जाए, उनको आगे बढ़ाया जाए, जब तक महिलायें सशक्त व आत्मनिर्भर नहीं बनेंगी तब तक प्रदेश व देश का विकास नहीं हो सकता, इसीलिए प्रधानमंत्री ने देश की बागडोर संभालने के पश्चात बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया। आज विभिन्न सेक्टरों में महिलाओं व बेटियों को आगे बढ़ाया जा रहा है उनका योगदान लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी जो बहने हैं बेटियां हैं उनको जो दायित्व दिया गया है उसका वह भली-भांति निर्वहन करें तथा अपने कार्यों को मॉडल बनायें ।जिलाधिकारी विशाख जी ने कहा कि बेटी बचाओं, बेटी पढाओं थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को एक प्लेट फार्म पर लाकर उसका आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विधायक नीलिमा कटियार, एमएलसी सलिल विश्नोई, अरुण पाठक, सदस्य राज्य महिला आयोग पूनम कपूर, रंजना शुक्ला, पूर्व मेयर प्रमिला पाण्डेय, जिलाधिकारी विशाख जी, मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त अमिता सिंह, डीएफओ श्रद्धा यादव, उपस्थित रही।

महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर निकली बाइक रैली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नारी सशक्तिकरण का संदेश लेकर निकली महिला पुलिस की बाइक रैली अपने शहर पहुंची ।शहर पुलिस ने जहां रैली में आई महिला पुलिस कर्मियों का उत्साहवर्धन किया तो वही अफसरों ने भी उनका मनोबल बढ़ाया। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड द्वारा इस रैली का जनपद से फ्लैग आफ करेंगे।विंध्याचल धाम की रैली ने फतेहपुर से महाराजपुर से सीमा प्रवेश किया।देवी पाटन धाम की रैली ने लखनऊ से गंगा बैराज के रास्ते में किया प्रवेश - उत्तर प्रदेश के 26 जनपदों से होकरयह रैली जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश भर की महिलाओं को सुरक्षा का एहसास कराने के उद्देश्य से महिला पुलिसकर्मी बाइक रैली निकाली जा रही है।देवी पूजन के दिन चैत्र नवरात्र से शुरू हुई यह रैली नवरात्र की तृतीया को शुक्रवार को कानपुर नगर पहुंच गई और चतुर्थी को हमीरपुर और इटावा जनपदों के लिये रवाना हो जाएगी।

महिला पुलिसकर्मी बाइक रैली का पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में कार्यक्रम रिजर्व पुलिस लाइन में शनिवार सुबह 10 बजे से आयोजित होगा।यहां पर पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड रैली का फ्लैग आफ करेंगे। पुलिस लाइन में कार्यक्रम होने के बाद यहां से बाइक रैली अपने आगे के सफर यानि जनपद हमीरपुर और इटावा के लिये रवाना हो जाएगी। आगे की रैली में कमिश्नरेट की महिला पुलिसकर्मी अपने वाहनों से शामिल होंगे और अगले पड़ाव तक जाएंगी।

पूरे दिन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अधिकारियों के बैठक और निरीक्षण का दौर चलता रहा। गंगा बैराज और महाराजपुर पहुंची महिला पुलिस कर्मियों की बाइक रैली का एसीपी चकेरी और कर्नलगंज एसीपी ने फूलमाला पहना कर स्वागत किया।

वहीं, समापन अष्टमी यानी 29 मार्च को होना प्रस्तावित है।महिला पुलिसकर्मियों की यह रैली दो रूटों से निकली है।पहला रूट पूर्व से पश्चिम (विंध्याचल धाम से गौतमबुद्ध नगर) है तो वहीं, दूसरा रूट उत्तर से दक्षिण (देवी पाटन धाम से ललितपुर) तय किया गया है।

दलितों की जमीन बेचने में जिलाधिकारी की अनुमति संबंधित आदेश वापस लेने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर व प्रदेश अध्यक्ष बाबा साहब वाहिनी चंद्रशेखर चौधरी के आवाहन पर जिला मुख्यालय में जिलाधिकारी को कानपुर महानगर अध्यक्ष जगदीश उर्फ राहुल यादव ने ज्ञापन सौंपा दलितों की जमीन लेने में डीएम की अनुमति संबंधित निर्णय सरकार वापस ले जगदीश उर्फ राहुल यादव जिला अध्यक्ष बाबासाहेब कानपुर महानगर राहुल यादव जिला अध्यक्ष ने संवाद में कहा कि सरकार को दलितों की जमीन बेचने में डीएम की अनुमति संबंधित आदेश वापस लेना होगा। उन्होंने आगे कहा कि जिला अधिकारी की पूर्व अनुमति का उद्देश दलितों की जमीनों को आसानी से खरीदने से रोकना था ताकि उनकी जमीन उनके पास बची रहे अनुमति की अनिवार्यता खत्म होने से इनकी पूरी संभावना है कि दलितों की जमीन दूसरे लोग लालच व दबाव में खरीद लेंगे और दलित तेजी से भूमिहीन हो जाएगा । उन्होंने प्रदेश में नई टाउनशिप नीति की अनुसूचित जाति व जनजाति की भूमि लेने के लिए जिलाधिकारी से अनुमति लेने की अनिवार्यता खत्म करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है उन्होंने सरकार से डीएमके अनुमति लेने की बाध्यता खत्म करने संबंधित फैसले वापस लेने की मांग की है उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने अपना निर्णय नहीं लिया तो हमें हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट जाने के बाध्य होना पड़ेगा।

ज्ञापन देने वालो में जगदीश यादव उर्फ राहुल जिला अध्यक्ष ,वरिष्ठ समाजसेवी धनीराम पैंथर ,पूर्व नगर उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू,राकेश राव ,प्रदेश सचिव अनुप हजारिया, माना यादव ,नरेंद्र कुमार ,राजेश अब्बासी, अदनान ,आकाश जायसवाल तथा तमाम बाबासाहेब वाहिनी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खालिस्तान विरोधी नारे लगाकर सिख समुदाय ने किया प्रदर्शन

कानपुर।कानपुर में सिख समाज के लोगों ने शनिवार को खालिस्तान विरोधी नारे लगाकर गुरुद्वारे के बाहर प्रदर्शन किया। युवा सिख मोर्चा के विरोध-प्रदर्शन में बच्चे और महिलाओं में शामिल हुए।उन्होंने हाथों में तिरंगा लेकर खालिस्तानी विरोधी नारे लगाए।

युवा सिख मोर्चा ने शनिवार को गुमटी स्थित गुरुद्वारे के बाहर प्रदर्शन किया। खालिस्तानी के विरोध में सिख समाज की महिलाएं और बच्चे भी आगे आए। प्रदर्शन कर रहे सिख समाज के लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर नहीं चाहिए खालिस्तान, सबसे प्यारा हिंदुस्तान के नारे लगाए।

टीबी रोग का किया जा सकता हैं निदान

बीपीएस न्यूज

कानपुर।सीएसए द्वारा क्षय रोग उन्मूलन हेतु विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ रामप्यारे द्वारा अपने स्वागत भाषण में कहा गया कि जहां एक और दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीवी के पूर्व उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है वही भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करना है। उन्होंने कहा कि भारत में टीवी नियंत्रण के लिए पिछले लगभग 60 वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है साथ ही यह भी बताया कि सही समय पर सही जांच कराकर अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का निदान किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अधिष्ठाता कृषि संकाय द्वारा कहा गया कि दुनिया भर में हर साल 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है जिसका कमकसद लोगों को टीवी की बीमारी के प्रति जागरूक करना है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक छह रोग कानपुर मंडल डॉक्टर ए पी मिश्रा द्वारा बताया गया कि टीवी से विश्व में हर दिन लगभग 4 हजार लोग अपनी जान गवा देते हैं। तथा 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय द्वारा बताया गया कि सर्वप्रथम 24 मार्च 1882 को डॉक्टर रॉबर्ट कोंच द्वारा टीवी रोग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की खोज की थी। इस अवसर पर चिकित्सा परामर्श डॉ एस के सिंह सहित अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव कुमार द्वारा भी उद्बोधन किया गया ।कार्यक्रम में चिकित्सा कैंप में लगभग 100 लोगों के जांच हेतु नमूने लिए गए तथा कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर वार्डन संकाय सदस्य सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने के साथ-साथ छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पुलिस बल पर हमला करने के आरोप में करीब 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बीपीएस न्यूज एटा। जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र में लूट के एक आरोपी को छुड़ाने का प्रयास करते हुए पुलिस बल पर हमला करने के आरोप में करीब 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) विनोद पांडेय ने कहा कि रविवार को पुलिस की एक टीम कोतवाली नगर क्षेत्र के हिंदू नगर इलाके से शिवम उर्फ शिब्बू नामक एक आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद लौट रही थी ।उन्होंने कहा कि तभी उसकी मां और अन्य 10-15 लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया और जबरदस्ती आरोपी को छुड़ाने का प्रयास करने लगे। उन्होंने बताया कि हालांकि पुलिस लूट के मामले में आरोपी व्यक्ति को थाने ले आई। पुलिस के अनुसार इस संबंध में आरोपी की मां और दो अन्य महिलाओं के साथ ही करीब 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गांजे के साथ महिला को किया गया गिरफ्तार

कानपुर।पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त पूर्वी कमिश्नरेट कानपुर नगर व अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर के निकट पर्वेक्षण में एवं सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक चकेरी के नेतृत्व में गस्त व चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना गांजे की बिक्री करने वाले महिला राम दुलारी पत्नी स्व0 वृजमोहन निवासी ग्राम मैकूपुरवा अहिरवां थाना चकेरी कानपुर नगर उम्र करीब 50 वर्ष के पास 87 पुडिया जिसका वजन 540 ग्राम व प्लास्टिक की बोरी से बरामद गांजा जिसका वजन 3 किलो 600 ग्राम व पालीथीन में भरे रुपया 120500/- बरामद हुआ।उपरोक्त महिला से कड़ाई से पूछने पर बताया कि मै व मेरा लड़का गांजे बेचने का काम करते हैं तथा बरामद मोबाइल के बारे में बताया कि ये मोबाइल उन लोगो के जो मोबाइल लेकर गाजा खरीदते है महिला को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 धारा एनडीपीएस एक्ट व धारा भादवि पंजीकृत कर थाना चकेरी पुलिस द्वारा जेल भेजा गया।

चालक ने डीसीएम खड़ी कर पेड़ पर लगाई फांसी, मौत

घाटमपुर। रतनपुर गांव के किनारे डीसीएम चालक ने पिकअप खड़ी करने के बाद रोड किनारे लगे बबूल के पेड़ पर अंगौछे के सहारे फांसी लगा अपनी जान दे दी। ग्रामीणों ने चालक का शव पेड़ पर लटकता देखा तो ग्रामीणों को फोनकर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कानपुर देहात के मुहाना नवीपुर निवासी 45 वर्षीय श्री बाबू डीसीएम चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे, शनिवार सुबह घाटमपुर थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव के पास भूसा लदी हुई डीसीएम खड़ी करने के बाद चालक श्री बाबू ने रोड के किनारे स्थित बबूल के पेड़ पर अंगौछे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। ग्रामीणों ने चालक के शव को अगौछे के सहारे पेड़ पर लटकते देखा तो पुलिस को फोनकर घटना की सूचना दी।

करौली सरकार आश्रम में विवाद और मारपीट के मामले में खुफिया एजेंसियां हुई सक्रिय

बाबा की बढ़ी मुश्किलें, सीसीटीवी और अन्य तथ्यों की जांच शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर।बिधनू के करौली सरकार आश्रम के बाबा संतोष सिंह भदौरिया और उनके साथियों पर पुलिस ने नोएडा के डॉक्टर से मारपीट करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया था। नोएडा में रहने वाले डॉक्टर सिद्धार्थ की तहरीर पर यह कार्रवाई की गई थी। आरोप था कि परिवार के साथ आश्रम में मारपीट की गई। जब वह आश्रम में बाबा के सामने गए तो उन्होंने उसके ऊपर बाबा के चमत्कार का कोई असर न होने की बात कही। जिस पर वहां मौजूद सैकड़ों लोगों के सामने बाबा भड़क गए थे। चुनौती की बात कहते हुए बाबा ने सहयोगियों से डॉक्टर को हटने को कहा था।

जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद बाबा के समर्थकों ने कमरे में खींचकर डॉक्टर को जमकर पीटा था इससे वह घायल हो गए थे। यह मामला 22 फरवरी का है। प्रसिद्ध बाबा से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस ने बाबा और उनके सहयोगियों के बयान दर्ज किए है। बिधनू थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह ने बताया कि डॉक्टर से भी संपर्क किया जा रहा है। सीसीटीवी और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। इस मामले में खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं।

शासन ने मांगी रिपोर्ट

बिधनू के करौली सरकार आश्रम में विवाद और मारपीट का मामला चर्चा में आने के बाद खुफिया एजेंसियां पूरी तरह से सक्रिय हो गई हैं।सूत्रों ने बताया कि टीम के लोग अपने स्तर से जांच कर रही हैं। एलआईयू के कई अफसर सिविल ड्रेस में भक्तों की तरह आश्रम पहुंचे।पूजा पाठ करने के साथ ही आसपास के गांव से बाबा की शोहरत के बारे में पता लगाया।एलआईयू से भी पुलिस कमिश्नर और शासन ने पूरे मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है।

थाना पुलिस ने नहीं की सुनवाई

पीड़ित के अनुसार जब वह अपनी शिकायत लेकर बिधनू थाने पहुंचा जहां से उसे टरका दिया गया था।इसके बाद उन्होंने इस मामले की पुलिस के आलाधिकारियों से शिकायत की।जिसके बाद पुलिस ने बाबा और उनके सहयोगियों पर मुकदमा दर्ज किया था।आश्रम से भगा देने का आरोप था।इस मामले में बाबा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।सूत्रों ने बताया कि बाबा के आदेश पर मंदिर में मीडिया के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।अगर किसी को अंदर एंट्री करनी भी है, तो उसे एक आश्रम का फार्म भरना होगा।

चैत्र नवरात्र में देवी की आराधना होगी फलदायी

चैत्र नवरात्रि शुरू हो गया है। इसके साथ ही पिंगल नामक संवत्सर यानी हिंदू नववर्ष भी शुरू हो जाएगा। इस साल चैत्र नवरात्रि में माता का वाहन नाव होगा। इस नवरात्रि की विशेषता यह है कि इसमें तीन तरह के सिद्धि योग होंगे।आज से चैत्र नवरात्र शुरु है, इस नवरात्र में नौ दिनों के दौरान आप अपने तन-मन और विचारों को शुद्ध रख कर देवी की उपासना करना आपके लिए लाभदायी होगा, तो आइए हम आपको चैत्र नवरात्र में पूजा विधि और महत्व के बारे में।नवरात्रि में इन नियमों का पालन होगा लाभदायीनवरात्रि के नौ दिन अगर आप व्रत रखें तो कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। व्रत रखने के लिए सबसे पहले तन, मन और विचारों में शुद्धता रखना आवश्यक है। अगर आप व्रत रखते हैं तो फलाहार करते रहें। लेकिन किसी कारण से व्रत रखने में आप सक्षम नहीं हैं तो दिनभर व्रत रखकर शाम को देवी मां की पूजा तथा आरती के बाद शाकाहारी भोजन ग्रहण कर सकते हैं।

चैत्र नवरात्रि पर घटस्थापना का मुहूर्त

साथ ही पिंगल नामक संवत्सर यानी हिंदू नववर्ष भी शुरू हो जाएगा। इस साल चैत्र नवरात्रि में माता का वाहन नाव होगा। इस नवरात्रि की विशेषता यह है कि इसमें तीन तरह के सिद्धि योग होंगे। पहला सर्वार्थ सिद्धि योग 23 मार्च, 27 मार्च, 30 मार्च है। रवि योग 24 मार्च, 26 मार्च और 29 मार्च के दिन होगा। रामनवमी के दिन गुरु पुण्य योग भी होगा।

नवरात्र में देवी को लगाएं विशेष भोग

नवरात्र के नौ दिनों में देवियों को भोग लगाने की खास विधि है। पहले दिन देवी को गाय का घी, दूसरे दिन शक्कर और तृतीया के दिन दूध और दूध से मिठाई चढ़ाएं। नवरात्र का चौथा दिन मां कुष्मांडा को होता है, उन्हें मालपुए अर्पित करें। पंचमी को केला और षष्ठी को शहद को भोग लगाने से देवी प्रसन्न होती हैं। सप्तमी को गुड़, अष्टमी को नारियल और नवमी को तिल अर्पित करने से मां भक्तों को विशेष आर्शीवाद प्रदान करती हैं।

नवरात्र में अंखड ज्योति की है महत्ता

नवरात्रि में अखंड ज्योति का विशेष महत्व होता है। आप भी अपने घर में अखंडज्योति जलाएं। इसके लिए मिट्टी या पीतल का का दीपक लें और इसे हमेशा किसी चौकी या पटरी पर रखें। अखंड ज्योति की बाती हमेशा रक्षा सूत्र से बनायी जाती है इसके लिए सवा हाथ का रक्षा सूत्र लें और बाती बनाकर उसे दीपक के बीच में रखें। दीप में घी, सरसों या तिल का तेल डाल सकते हैं। दीपक जलाने से पहले मां दुर्गा, भगवान शिव और गणेश भगवान का ध्?यान करें। अगर आपकी कोई मनोकामना है तो अखंडज्योति जलाते समय इसे ध्यान में रखें। दीपक के आसपास लाल फूल भी रख सकते हैं। साथ ही ध्यान रखें कि अखंड ज्योति कभी बुझने नहीं पाएं उसमें हमेशा घी या तेल डालें।

चैत्र नवरात्र में ऐसे करें पूजा

चैत्र नवरात्रि में कलश स्थापना का खास महत्व होता है, इसलिए पहले विधिवत कलश स्थापित कर लें। इसके लिए पवित्र मिट्टी से बनाए गए वेदी पर कलश स्थापना करें। उसके बाद वेदी पर जौ और गेंहू बो दें। फिर अपनी शक्ति अनुसार मिट्टी या तांबे का कलश विधिपूर्वक स्थापित करें। साथ ही नौ ग्रह और गणेश जी को भी स्थापित करें तथा कलश पर मां दुर्गा की प्रतिमा रखें। विधिपूर्वक कलश स्थापना के बाद देवी मां का षोडशोपचार पूजा करें। इसके बाद आप श्रीदुर्गासप्तशती और दुर्गा चालीसा का पाठ कर सकते हैं। इसके अलावा आप नवरात्र के नौ दिन विभिन्न देवाओं की आराधना तथा कथा भी पढ़ सकते हैं।

कन्या पूजन भी होता है आवश्यक

चैत्र नवरात्रि में कन्या पूजन का खास महत्व होता है। यह कन्या पूजन अष्टमी या नवमी के दिन किया जाता है। कन्याओं को साक्षात् मां दुर्गा का स्वरुप माना जाता है। कन्या पूजन में नौ, सात, पांच, तीन, या एक कन्या को देवी रूप मानकर बैठाया जाता है। उसके बाद उन्हें विविध प्रकार का प्रसाद खिलाकर, दान देकर आर्शीवाद लिया जाता है।

कलश स्थापना का शुभ संयोग

इस नवरात्र में कलश स्थापना का संयोग बहुत शुभ है। कलश स्थापना के समय शुक्र ग्रह का उदय हो रहा है जो समृद्धि का कारक है। इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर देवी की आराधना करने से भक्तों की आर्थिक परेशानी दूर होती है। साथ ही नवरात्र में कलश स्थापना चक्र सुदर्शन मुहूर्त में करना अच्छा माना गया हैं। लेकिन अगर आप अभिजित मुहूर्त में कलश स्थापना नहीं कर पाएं तो अनुकूल लाभ, शुभ तथै अमृत चौघडिया भी अच्छी मानी गयी है। अगर इन सभी मुहूर्तों में भी आप घट नहीं बैठा पाए तो सोम, बुध, गुरु और शुक्र में से किसी की भी दिन होरा में कलश स्थापित करें।

कलश स्थापना के समय ये तरीके अपनाएं

कलश स्थापित करने के लिए व्यक्ति को सदैव नदी की रेत का इस्तेमाल करना चाहिए। इस रेत में सबसे पहले जौ डालें। उसके बाद कलश में इलायची, गंगाजल, पान, लौंग, रोली, सुपारी, कलावा, हल्दी, चंदन, रुपया, अक्षत, फूल इत्यादि डालें। इसके बाद %? भूम्यै नम:% का जाप करते हुए कलश को सात प्रकार के अनाज के साथ रेत के ऊपर स्थापित करें। मंदिर में जहां आप कलश स्थापित किया है वहां नौ दिन तक अखंड दीपक जलाते रहें।

ये भी होता है उपयोगी

कलश की स्थापित करते समय मुहूर्त का हमेशा ध्यान रखें। कलश का मुंह कभी भी खुला न रखें। साथ ही अगर आप कलश को किसी बर्तन से ढक कर रख रहे हैं, तो उस बर्तन को कभी भी खाली नहीं छोड़े बल्कि उसे चावलों से भर दें। यही नहीं चावल के बीच में एक नारियल भी रखें। प्रतिदिन अर्चना के पश्चात माता रानी को शुभ-शाम लौंग और बताशे चढ़ाएं। ध्यान रखें देवी को लाल फूल बहुत पसंद हैं। इसलिए हमेशा लाल फूल चढ़ाए। मां दुर्गा को मदार, आक, दूब और तुलसी पत्र अर्पित न करें।

सैकड़ों वर्ष बाद ग्रह नक्षत्रों का अद्भुत संयोग, इस बार घटस्थापना के तीन शुभ मुहूर्त

इस बार मां दुर्गा के नवरात्र पूरे नौ दिन के होंगे। वहीं ग्रह नक्षत्रों का अद्भुत संयोग बन रहा है। यह संयोग लगभग सैकड़ों वर्षों के बाद पड़ रहा है। जब शनिदेव अपनी राशि कुंभ में तथा बृहस्पति देव अपनी राशि मीन में संचार करेंगे। यह दुर्लभ संयोग नवरात्र को बहुत ही खास बना रहे हैं।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की परिसर स्थित श्री सरस्वती मंदिर के आचार्य राकेश कुमार शुक्ल ने बताया कि मां दुर्गा का नौका पर आगमन बहुत ही शुभ और मंगलकारी माना जाता है। इसलिए यह नवरात्र भक्तों को सुख और समृद्धि प्रदान करेगा।

वासंती नवरात्र से ही हिंदी नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। इस बार इस संवत के राजा बुध और मंत्री शुक्र होंगे। बुध और शुक्र की जोड़ी देश में खुशहाली, सुख समृद्धि, धन-धान्य की वृद्धि तथा क्लेश को समाप्त करने वाली होगी।

सनातन हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2080 विशेष

सर्वत्र ही नव पल्लवित पादप-पुंज, सुवासित इंद्रधनुषी पुष्प, भौंरों की मधुर गुँजार, पक्षियों के सामूहिक उल्लसित गान, दूर-दूर तक खेतों में लहराते स्वर्णिम रवि फसलों आदि से श्रृंगार की हुई हमारी शस्य-श्यामल वसुंधरा अतिहर्षित, हमारे सनातनी हिन्दू नववर्ष 2080 का अभिनंदन करती प्रतीत हो रही है। खेतों में विविध फसलों के पकने की मंद-मंद खुशबू को कर में लिये मधुर समीर भी नववर्ष के स्वागत में इधर-उधर दौड़ती-भागती व्यस्त जान पड़ती हैं। हमारे धरती-पुत्र, कृषक-संतान अपने लह-लहाते खेत-खलिहानों में स्वर्णिम फसलों को देख-देख कर सपरिवार हर्ष-विभोर हो रहे हैं। कुछ दिनों के उपरांत ही उनके घर की कोठियाँ अन्न-दानों (लक्ष्मी) से परिपूर्ण हो जाएंगी। प्रकृति के समस्त जड़-चेतन अपने शीतजन्य-आलस्य भाव से पूर्णत: मुक्त होकर नवीनता में स्नात सचेतनता को प्राप्त कर लिये हैं। शीत के प्रकोप से पर्णहीन हुए पादप-पुंज बहुत पहले ही सुवासित नवल पल्लवों, पुष्पों और कुछ फलों को धारण कर उल्लासपूर्वक हमारे 'नववर्ष' के अभिनंदन हेतु प्रस्तुत हैं।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उदित स्वर्ण सूर्य और उनकी स्वास्थ्यवर्द्धक मनोहर भगवा किरणों से आभासित प्रात: बेला के साथ ही हम सनातनी हिन्दुओं का नववर्ष (विक्रम संवतसर) प्रारंभ हो जाता है। प्रकृति में व्याप्त अंधकार व शीत स्वत: ही दूर होने लगते हैं। फलत: अज्ञानता भी दूर भागने लगती है। सही भी है, जब हम सभी हिमशीत से प्रताड़ित गहन निद्रा के आगोस में रहे हों, जब हमारे चतुर्दिक प्रकृति में अज्ञानता और गहन अंधकार का राज व्याप्त रहा हो, तब भला नववर्ष के आगमन की बात भी कितनी झूठी लगती है। हमारे सनातनी हिन्दू पूर्वज ऋषियों-महर्षियों ने नववर्ष का शुभारंभ 'ऋतुराज वसंत' से ही माना है।

जब शीत ऋतु का अवसान हो जाता है। देश-प्रांतर में चतुर्दिक ही हरीतिमायुक्त नवीन खूबसूरत बहार दिखाई देने लगती है। समस्त चराचरों में खुशी का माहौल बना रहता है। स्वर्णिम खेत-खलिहान स्वर्णिम खाद्यान फसलों (लक्ष्मी) से परिपूर्ण झूमने लगते हैं। सूर्य की स्वर्णिम प्रकाश-ताप युक्त किरणें प्रकृति में फैले विभिन्न रोग-किटाणुओं को नष्ट करते हुए जड़-चेतन सबको नई ऊर्जा से उदीप्त करने लगती है।

ऐसे में हमारा सनातनी हिन्दू नववर्ष सबको हर्षाते हुए प्रात: भगवा सिंदूरी किरणों के साथ हमारे द्वार पर दस्तक देता है।

चैत्रमास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से ही हमारा नववर्ष विक्रम संवत 2080, का शुभारंभ हो रहा है, जो युगाब्द (कलियुग) 5124 वाँ वर्ष तथा अंग्रेजी का 22 मार्च,2023 है। नए वर्ष का यह प्रथम दिन, तन-मन की शुद्धता सहित सर्व हर्ष-उल्लास का ही दिन है। इस दिन को भारत में संवत्सरारंभ, गुड़ीपड़वा, युगादि, वसंतारंभ आदि विविध प्रसंगानुकूल नामों से जाना जाता है। आज का दिन बहुत ही पवित्र है। देव योग से सभी अंतरिक्ष नक्षत्र बहुत ही शुभ स्थिति में होते हैं, अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिए आज का दिन सर्वाधिक शुभ माना जाता है। आज के दिन को हमारी धरती पर जीवन के मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस प्रदान करने वाले चंद्रमा की विविध कलाओं का प्रथम दिवस माना जाता है।

विगत शिशिर ऋतु के प्रभाव से पत्रविहीन हुए पादप-पुंज पुन: नव पल्लवित और पुष्पित हो गए हैं। उनमें छिप कर बैठी 'कु-हू', 'कु-हू' करती कोयल तथा अन्य विहग प्रकृति के स्वर बनकर 'नववर्ष' के संदेश को सम्प्रेषित करते नहीं अघाते हैं। कितना पावन और कितना मनोहर दृश्य होता है। इसीलिए आज के दिन को वर्ष का आरंभ माना जाना पूर्णत: प्राकृतिक और खगोलीय दृष्टि से सार्थक है। इस समय न ज्यादा गर्मी ही है, न ज्यादा ठंडी ही, शरीर के अनुकूल संतुलित तापमान। शरीर के अनुकूल मौसम। यह समय मूलत: दो ऋतुओं का संधिकाल है, जिसमें रातें क्रमश: छोटी और दिन अपेक्षाकृत बड़े होने लगे हैं। वायु भी पूर्णत: समशीतोष्ण होती हुई समस्त चराचरों के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक, उत्साहवर्द्धक तथा आह्लाददायक हो गई है।

30 मार्च को 5 शुभ योगों में मनाई जायेगी रामनवमी

चैत्र नवरात्रि के 9 वें दिन रामनवमी का त्योहार मनाया जाता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान राम ने जन्म लिया था। इस बार रामनवमी 30 मार्च को 5 शुभ योग में मनाई जाएगी। रामनवमी पर इस बार गुरु पुष्य योग, अमृत सिद्धि योग, रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और गुरु योग का संयोग है। राम नवमी के दिन इन पांचों योग के होने से श्रीराम की पूजा का शीघ्र फल मिलेगा। इस दिन किए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। श्री पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु पुष्य योग और अमृत सिद्धि योग 30 मार्च को प्रात 10¬59 बजे आरंभ होगा और 31 मार्च की सुबह 06¬13 बजे तक रहेगा। गुरु योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग सूर्योदय से सूर्यास्त तक रहेगा। इन पांच योग को एक साथ रामनवमी के दिन मिलने से तथा विधि-विधान पूर्वक भगवान राम का पूजा आराधना करने से आए हुए विपत्ति से छुटकारा तथा संतान सुख की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू कैलेंडर के मुताबिक चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमीं तिथि 30 मार्च को रामनवमी मनाई जाएगी। इस दिन पूरे देश में धूमधाम से राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म राजा दशरथ के घर पर हुआ था। इस दिन प्रभु श्रीराम की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। रामनवमी के दिन शुभ मुहूर्त में भगवान श्रीराम का केसरयुक्त दूध से अभिषेक कर श्रीराम चरित मानस का पाठ करें। समयाभाव में पूरा पाठ न कर सकें तो सुन्दकाण्ड का पारायण अवश्य करें। इससे घर में खुशहाली आती है। धन वैभव की वृद्धि होती है। रामनवमी के दिन एक कटोरी में गंगा जल रखकर उसके सामने रामरक्षा मंत्र %? श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्री नम का जप 108 बार करें। इसके बाद जल को घर के हर कोने छत पर छिड़क दें। ऐसा करने से घर का वास्तु दोष समाप्त हो जाता है।

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि रामनवमी पर 30 मार्च को योगों का महासंयोग बन रहा है। इस दिन सुबह से रात्रि पर्यंत अनेक योग विद्यमान रहेंगे। दिनभर सर्वार्थसिद्धि योग की साक्षी रहेगी, जो साधना, आराधना व शुभ कार्यों के लिए विशेष है। रात्रि में अमृतसिद्धि योग तथा गुरु पुष्य नक्षत्र की साक्षी रहेगी। इस दिन पुनर्वसु नक्षत्र का होना भी विशेष माना जा रहा है। विशिष्ट योग नक्षत्र की मौजूदगी में दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव मनाना तथा चैत्र नवरात्र की पूर्णाहुति सर्वहितकारी है। इस बार चैत्र शुक्ल नवमी तिथि गुरुवार 30 मार्च के दिन पुनर्वसु नक्षत्र मिथुन राशि के चंद्रमा की साक्षी में आ रही है। गुरुवार के दिन पुनर्वसु नक्षत्र होने से यह सर्वार्थ सिद्धि योग अमृत सिद्धि का भी संयोग रहेगा। इस दृष्टि से रामनवमी के पावन पर्व पर भगवान श्री राम की साधना आराधना उपासना करने से परिवार में सुख शांति होती है तथा पति पत्नी के संबंध अनुकूल रहते हैं। वहीं, भाइयों का सुख भी प्राप्त होता है।

इस चमत्कारिक झरने की पापी लोगों पर नहीं पड़ती एक भी बूंद, बद्रीनाथ धाम में मौजूद पवित्र झरना

देवभूमि उत्तराखंड पर स्थित वसुधारा झरना पापियों के शरीर पर नहीं गिरता है। कहा जाता है कि जिन लोगों ने पाप किया होता है, उन पर पानी की एक भी बूंद नहीं पड़ती है। वहीं जिन लोगों पर पानी पड़ता है, उनके सारे रोग दूर हो जाते हैं।देवभूमि के नाम से फेमस उत्तराखंड के कण-कण में देव रहते है। यहां की धार्मिक जगहें, नदियों और झरनों का अपना एक अलग ही महत्व है। लोगों को उत्तराखंड की चमत्कारिक जगहें अपनी ओर काफी आकर्षित करती हैं। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं। यहां के एक चमत्कारिक झरने का भी अपना ही महत्व है। मान्यता है कि इस झरने का पानी पापी व्यक्तियों के शरीर पर नहीं पड़ती हैं। यह झरना चमौली जिले के बद्रीनाथ में मौजूद है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से आपको इस चमत्कारिक झरने के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इस झरने के बारे में...

जानिए क्या कहते हैं शास्त्र

भारत के आखिरी गांव माणा से 5 किमी दूर और बद्रीनाथ से 8 किमी ये झरना स्थित है। समुद्र तल से 13,500 ऊंचे इस झरने को वसुधारा झरने के नाम से जानते हैं। शास्त्रों में भी इस झरने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि यह पवित्र झरना अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए है। करीबन 400 फीट की ऊंचाई से इस झरने का पानी गिरता है। इस झरने से धारा खूबसूरत मोतियों जैसी होती है। जो आपको स्वर्ग में होने का एहसास दिलाती है।

पापियों पर नहीं गिरती धारा

इस झरने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि हर व्यक्ति पर इस झरने की धारा नहीं गिरती है। कहा जाता है कि जिस व्यक्ति ने पाप किए हैं, उसके ऊपर इस झरने की एक बूंद भी नहीं गिरती है।

ग्रंथ के मुताबिक पांचो पांडवों में से सबसे छोटे भाई सहदेव ने अपने प्राण त्याग दिए थे। मान्यता है कि इस झरने की एक बूंद भी जिस व्यक्ति पर पड़ जाती है। वह व्यक्ति अपने जीवन में पुण्य किया होता है। यही कारण है कि इस जगह पर देश विदेश से लाखों लोग इस चमत्कारिक झरने के नीचे आकर खड़े होते हैं।

दूर हो जाते हैं सारे दुख

कहा जाता है कि इस चमत्कारिक झरने में कई जड़ी बूटियों के भी गुण हैं। झरने का पानी कई पौधों को स्पर्श करते हुए नीचे आता है। जिस भी व्यक्ति पर ये पानी गिरता है, उस व्यक्ति के शरीर से रोग दूर हो जाते हैं।

कैसे पड़ा ये नाम

मान्यता है कि यहां पर अष्ट वसु ने कड़ा तप किया था। जिस कारण इस झरने का नाम वसुधारा पड़ गया। यह झरना इतना ऊंचा है कि पर्वत की आखिरी चोटी आपको एक बार में नजर नहीं आएगी। इस झरने तक पहुंचने के लिए आपको माणा गांव से डंडी कंडी की सुविधा के अलावा घोड़ा-खच्चर की भी सुविधा मिलती है।

इतनी है दूरी

माणा गांव से वसुधारा के लिए ट्रैक शुरू किया जाता है। सरस्वती मंदिर से गुजरने के बाद यहां पर 5 किमी का ट्रैक रह जाता है। लेकिन यह 5 किमी की ट्रेकिंग काफी मुश्किल होती है। यहां की जमीन पथरीली और जमीन बेहद कठोर है। इसलिए माणा गांव से वसुधारा की ट्रेकिंग केवल 2 घंटे की रहती है। बता दें कि रास्ते में पानी और खाने की सुविधा नहीं मिलती है।

भारत के आखिरी गांव माणा से 5 किमी दूर और बद्रीनाथ से 8 किमी ये झरना स्थित है। समुद्र तल से 13,500 ऊंचे इस झरने को वसुधारा झरने के नाम से जानते हैं। शास्त्रों में भी इस झरने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि यह पवित्र झरना अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए है। करीबन 400 फीट की ऊंचाई से इस झरने का पानी गिरता है। इस झरने से धारा खूबसूरत मोतियों जैसी होती है। जो आपको स्वर्ग में होने का एहसास दिलाती है।

शालिग्राम शिला से तराशी जाएगी भगवान श्रीराम और माता सीता की मूर्ति, पवित्र पत्थर के बारे में ये बातें जान हो जाएंगे हैरान

भगवान श्रीराम की नगरी में उनके भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस दौरान भगवान राम और माता सीता की मूर्तियों को शालिग्राम शिला से तराशा जाएगा। इसके लिए दो शिलाओं को नेपाल से अयोध्या लाया गया है।

सैकड़ों सालों के बाद रामजन्मभूमि पर श्रीराम के मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। रामनगरी में हर ओर राम भजन का मधुर शोर है। यह शोर इसलिए और भी अधिक हो रहा है क्योंकि राम-सीता जी की मूर्ती को शालिग्राम शिला से बनाया जाएगा। यह शालिग्राम की शिला नेपाल से अयोध्या लाई गई है। इस दौरान संत समाज या फिर राम भक्त हर कोई पवित्र पत्थर को देख उनकी आस्था में अभिभूत होता हुआ नजर आ रहा है। आइए जानते हैं नेपाल से आने वाली शालिग्राम शिला की कुछ अनोखी बातों के बारे में...

शालिग्राम निकालने से पहले नदी से मांगी गई क्षमा

बता दें कि शिला को निकालने से पहले काली नदी से क्षमा मांगी गई। इसके बाद विधि-विधान से अनुष्ठान किया गया और फिर शालिग्राम शिला का गलेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक भी किया गया। इन सब कार्यों के बाद शालिग्राम शिला को रामनगरी अयोध्या के लिए रवाना किया गया था।

मूर्तियों पर पड़ेंगी सूर्य की किरणें

शालिग्राम शिला से भगवान राम और माता सीता की मूर्तियों का निर्माण किया जाएगा। इन मूर्ति की ऊंचाई को कुछ इस तरह बनाया जाएगा कि रामनवमी के दिन सूर्य की किरणें सीधे मूर्तियों के माथे पर पड़ेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शालिग्राम की एक शिला का वजन 26 टन तो दूसरी शिला का भार 14 टन के आसपास है।

शालिग्राम पत्थर से तराशी जाएंगी मूर्तियां

नेपाल से आई शालिग्राम शिला से भगवान राम और माता सीता की मूर्ति बनाई जाएगी। इसके अलावा श्रीराम के तीनों भाइयों लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की मूर्तियां भी इसी शिला से तराशी जाएंगी।

भगवान विष्णु का वास

शास्त्रों के अनुसार, शालिग्राम में भगवान विष्णु का वास माना गया है। वहीं श्रीराम को भगवान विष्णु का सातवां अवतार कहा गया है। शालिग्राम शिला मां लक्ष्मी को अतिप्रिय है। वहीं पौराणिक कथाओं में भगवान शालिग्राम और देवी तुलसी के विवाह का भी उल्लेख मिलता है।

गंडकी नदी में मिलती हैं शालिग्राम शिला

बता दें कि नेपाल की गंडकी नदी में शालिग्राम के पत्थर पाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जिस घर में प्रतिदिन विधि-विधान से शालिग्राम की पूजा की जाती है। उस घर में और परिवार के सदस्यों के बीच सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। साथ ही उस घर पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है।

बंबई हाईकोर्ट ने
नवाजुद्दीन सिद्दीकी और पत्नी को अपने 2 नाबालिग बच्चों का मामला सुलझाने का दिया सुझाव

बम्बई उच्च न्यायालय ने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी पत्नी को अपने दो नाबालिग बच्चों से संबंधित मतभेदों को हल करने की कोशिश करने का सुझाव दिया। सिद्दीकी ने उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर अलग रह रही अपनी पत्नी जैनब को इस बारे में जानकारी देने का निर्देश दिये जाने का अनुरोध किया था कि उनकी 12 वर्षीय बेटी और सात वर्षीय बेटा कहां हैं। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति पी. डी. नाइक की एक खंडपीठ ने अभिनेता और उनकी पत्नी को बच्चों के संबंध में अपने मतभेदों को हल करने की कोशिश करने के लिए कहा है। अदालत ने कहा, ''वह (सिद्दीकी) केवल अपने बच्चों और उनकी शिक्षा के बारे में चिंतित हैं। एक दूसरे के साथ बात करें। यदि यह काम किया जा सकता है तो अच्छा होगा कि मामले को सौहार्दपूर्वक निपटा लिया जाये।% सिद्दीकी की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रदीप थोराट ने अदालत को बताया कि अभिनेता को इस बारे में जानकारी नहीं है कि उनके बच्चे कहां हैं। थोराट ने कहा, ''याचिकाकर्ता (सिद्दीकी) ने सोचा कि उनके बच्चे दुबई में हैं। लेकिन उन्हें अब बच्चों के स्कूल से एक मेल मिला है कि वे अपनी कक्षाओं में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेता की पत्नी नवंबर 2022 में बच्चों के बिना दुबई से भारत आई थी। उन्होंने बताया कि महिला और उसके बच्चे दुबई के स्थायी निवासी हैं। पीठ ने जैनब के वकील रिजवान सिद्दीकी से पूछा है कि अभिनेता के बच्चे कहां हैं। रिजवान सिद्दीकी ने अदालत को बताया कि बच्चे अपनी जैविक मां के साथ हैं और वे दुबई वापस नहीं जाना चाहते हैं। वकील ने कहा, ''दोनों बच्चे अपनी मां के साथ भारत में रहना चाहते हैं। वे यहां अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हैं। पीठ ने तब अभिनेता की पत्नी से अगले सप्ताह तक अदालत को इस बारे में बताने को कहा कि उन्होंने बच्चों की शिक्षा के संबंध में क्या तय किया है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि तीन मार्च तय की।

दो ही पंजाबी फिल्मों से मोह लिया गीता ने

रानीखेत (उत्तराखंड) की खूबसूरत वादियों में केदार शर्मा निर्देशित फिल्म 'रंगीन रातें' की शूटिंग चल रही थी। रात को अपने होटल लौटते समय, गीताबाली एक बाघ को देखकर अपनी जीप के बोनट पर खुशी से नाचते हुए, चिल्लाती है 'शम्मी, तुम्हारा शिकार, जल्दी से निकालो बन्दूक'। वह अवाक्? रह गया, कितनी निर्भीक है ये लड़की! शम्मी-गीताबाली की प्रेम कहानी, इसी धमाकेदार अंदाज़ में प्रफुल्लित हुई थी।

शादी की अनोखी रस्म

उनकी शादी तो और भी नाटकीय ढंग से संपन्न हुई। शम्मी हर रोज़ गीताबाली को प्रपोज करता, परन्तु उसे नकारात्मक उत्तर ही मिलता। लगभग चार माह बाद, शम्मी ने जब बॉम्बे के जुहू होटल में गीता को प्रपोज किया, तो उसने शम्मी को आश्चर्यचकित करते हुए कहा, 'ठीक है, चलो शादी कर लेते हैं। बशर्ते यह अभी और इसी वक्त होगी।' उस समय रात के दस बज चुके थे, सभी मंदिर बंद हो चुके थे। अगली प्रातः (24 अगस्त, 1955) चार बजते ही, नेपियन सी रोड के बाणगंगा मंदिर में शम्मी कपूर और गीताबाली परिणय सूत्र में बंध गए। 'मांग भराई' रस्म के लिए, शम्मी सिन्दूर लाना तो भूल ही गए थे। गीता ने तपाक्? से अपने पर्स से लाल लिपस्टिक निकाली और कहा 'लो, मेरी मांग भर दो'।

जन्मभूमि अमृतसर से लाहौर का सफर

गीताबाली उर्फ हरकीर्तन कौर का जन्म अमृतसर में धर्म-प्रचारक करतार सिंह बाली के घर 30 नवंबर 1930 को हुआ था। बालपन से नृत्य-कला सीखने में रुचि थी। सामाजिक मान्यताओं की परवाह किये बिना, उसने बड़ी बहन हरदर्शन कौर के साथ लखनऊ में आयोजित नृत्य समारोह में भाग लिया। अपने समुदाय में उनकी भर्त्सना हुई, परन्तु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वह ऑल इंडिया रेडियो, लाहौर में बच्चों के कार्यक्रम से जुड़ गयीं। वहां उनकी भेंट डांस डायरेक्टर पंडित ज्ञान शंकर से हुई। उन्होंने गीता को डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द कॉबलर' उर्फ 'मोची' (1942) में कोरस नृत्य करने का अवसर प्रदान किया।

बाल भूमिकाओं से नायिका तक

गीता बाली ने इसके पश्चात लाहौर में निर्मित 'बदनामी' (1946), कहां गए, पतझड़ और नई रीत जैसी फिल्मों में नृत्य एवं बाल-भूमिकाएं कीं। गीताबाली के नृत्य कौशल से आकर्षित होकर, चरित्र-अभिनेता मजहर खान उसे बंबई ले गए। वहां उसने उर्दू के अतिरिक्त अंग्रेजी का अध्ययन किया और नृत्यकला में गहन दक्षता हासिल की। उसकी ऑफ-स्क्रीन जीवंतता से प्रभावित होकर, केदार शर्मा ने गीताबाली को अपनी प्रेम-त्रिकोण फिल्म 'सुहागरात' (1948) में 'कम्मो' की भूमिका में लांच किया। स्क्रीन पर सूक्ष्म भावनाओं को आसानी से चित्रित करने की उनकी क्षमता की बहुत प्रशंसा हुई। फिल्म के एक दृश्य में वह बेहोश नायक, भारत भूषण को अपने कंधे पर अनायास उछाल देती है, जिसे देखकर दर्शक स्तब्ध रह गए थे। तत्पश्चात, गीताबाली के पास फिल्म-अनुबंधों की मानो बाढ़ हीआ गई।

वो चंचल शोख अदाएं

'आंसू-नीर' बहाती नायिकाओं नर्गिस, मधुबाला और नलिनी जयवंत के दौर में एक चंचल शोख अदाओं वाली अभिनेत्री गीताबाली फ़िल्मी आकाश पर उभरीं। अपने अभिव्यंजक चेहरे और ग्रेसफुल डांस स्टेप्स की बदौलत, वह बॉलीवुड की उच्चतम नर्तक-अभिनेत्री बन गई। उसे टॉमबॉय कहा जाता था। हॉलीवुड में जिस चुलबुलेपन के लिए रीटा हेवर्थ मशहूर थीं, वहीं गीताबाली जीवंतता और असाधारण अभिनय प्रतिभा की ज्वालामुखी थीं।

यादगार वॉक: सुष्मिता सेन लक्मे फैशन वीक एक्सएफडीसीआई में रैंप पर दिखी

दिल का दौरा पड़ने के बाद मौत को मात देकर लौटीं अभिनेत्री सुष्मिता सेन लक्मे फैशन वीक एक्सएफडीसीआई में डिजाइनर अनुश्री रेड्डी के लिए शोस्टॉपर के रूप में पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आयीं। सेन (47) ने शनिवार को महीन कढ़ाई वाले पीले लहंगे में रैंप वॉक किया। उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे और गले में भारी हार पहना हुआ था। पूर्व मिस यूनिवर्स इस महीने की शुरुआत से अपने स्वास्थ्य के बारे में प्रशंसकों को जानकारी दे रही हैं। उन्होंने कहा कि यह 'जिंदगी का एक यादगार पल था। उन्होंने रैंप पर अपनी वापसी के वीडियो के साथ इंस्टाग्राम पर लिखा, 'यादगार 'वॉक... मैं जिंदगी का जिंदादिली से लुत्फ उठाती हूं... झूम। इस यादगार वॉक के लिए अनुश्री रेड्डी और टीम को धन्यवाद... आपके डिजाइन आपके दिल की तरह खूबसूरत हैं। चीयर्स लैक्मे फैशन वीक एफडीसीआई। यहां मौजूद दर्शकों और मीडिया... सभी को प्यार और धन्यवाद। आप सभी को प्यार।%% रैंप पर अभिनेत्री का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया गया।

सोनू निगम से धक्का-मुक्की

मुंबई में एक संगीत कार्यक्रम में सेल्फी लेने के दौरान मशहूर गायक सोनू निगम को धक्का देने और उनके दो साथियों से मारपीट के आरोप में एक विधायक के बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि सोमवार को चेंबूर जिमखाना में निगम की लाइव प्रस्तुति के बाद हुई इस घटना में उनका एक साथी घायल हो गया। बाद में सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो सामने आया। चेंबूर पुलिस ने शिवसेना के स्थानीय विधायक प्रकाश फटरपेकर के बेटे स्वप्निल फटरपेकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। निगम की शिकायत के अनुसार, वह और उनके सहयोगी प्रस्तुति के बाद मंच से जा रहे थे, तभी एक व्यक्ति पीछे से आया और गायक को पकड़ लिया। उस व्यक्ति की पहचान बाद में स्वप्निल फटरपेकर के रूप में हुई। आरोपी गायक के साथ तस्वीर खिंचवाना चाहता था।

निगम के सहयोगी हरि प्रकाश ने आरोपी को रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने प्रकाश के साथ मारपीट की, जिसके चलते वह मंच से नीचे गिर गए। इसके बाद आरोपी ने निगम को भी धक्का दे दिया, जिसके चलते वह भी सीढ़ियों पर से गिर गए।

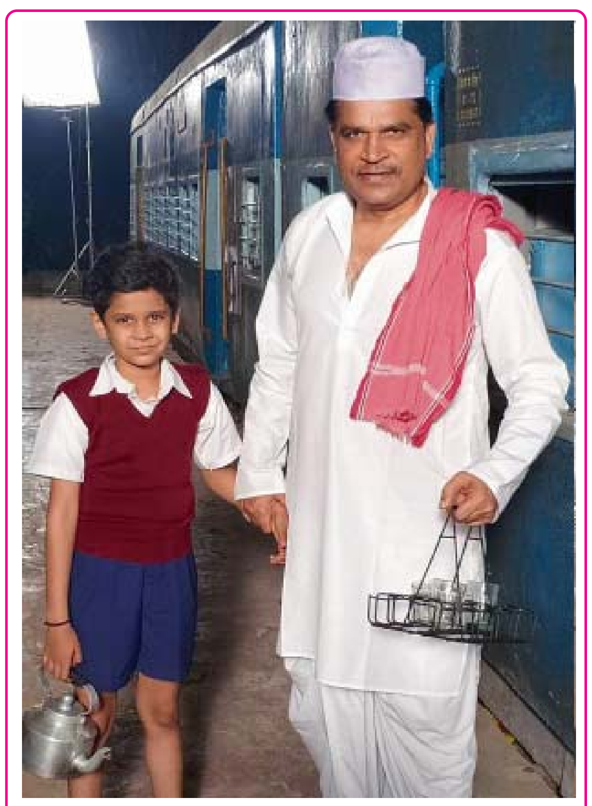

संघर्षों से नया सवेरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन, संघर्ष और सफलता पर यूं तो पहले भी कुछ फिल्में बन चुकी हैं। इधर अब एक बार फिर उनको लेकर एक फिल्म 'एक नया सवेरा' का निर्माण किया गया है। यह फिल्म थिएटर के साथ ओटीटी पर भी दिखाई जाएगी। फिल्म का निर्माण डॉ़ बी अब्दुल्लाह ने और निर्देशन साबिर कुरेशी ने किया है। यह फिल्म मोदी के बचपन से लेकर उनकी अब तक की कहानी दिखाएगी। जिसमें उनके परिवार को भी खास तौर से फोकस किया गया है। फिल्म में नरेंद्र मोदी का किरदार विकास महान्ते निभा रहे हैं तो मोदी के बचपन की भूमिका रुद्र रामतेकर ने की है। उनके पिता दामोदर दास मोदी सिकंदर खान बने हैं तो मां हीराबेन का रोल शांति देवी अग्रवाल ने किया है।

उदास आंखों से उल्लास की कॉमेडी

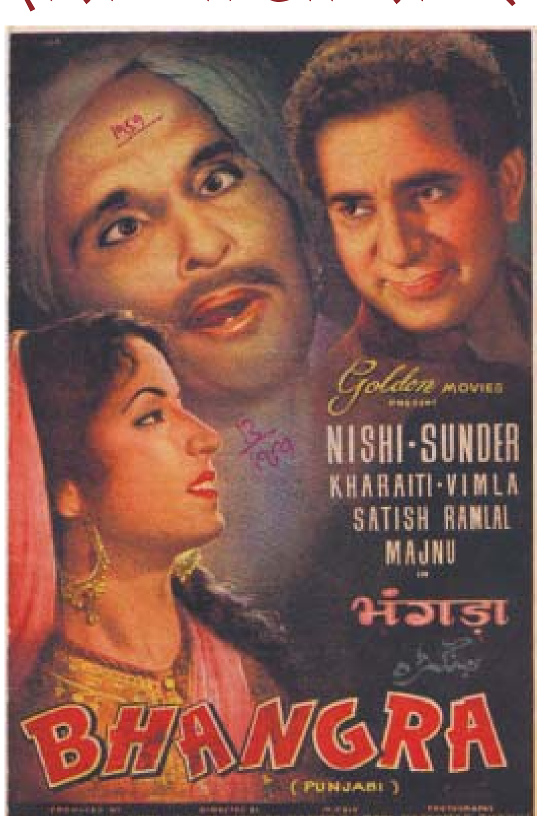

पंजाबी-हिंदी फिल्मों में सबसे लंबी रेस के घोड़े, सुंदर ने अपने छोटे कद और उदास आंखों वाले चेहरे के साथ विशिष्ट व सटीक समयबद्ध कॉमेडी द्वारा अपनी एक अलग पहचान बनाई। बहुमुखी अभिनय प्रतिभा के धनी अभिनेता सुंदर ने बतौर नायक पंजाबी फिल्मों में दर्शकों को खूब गुदगुदाया। फिल्म छई (1950) के सुपरहिट गाने अजी ओ मुंडा मोह लिया तवीतां वाला दमड़ी दा सक मलके ने रातों रात अभिनेता सुंदर को पंजाबी फिल्मों का सफल हीरो बना दिया था। इस फिल्म में उसकी नायिका चुलबुली गीता बाली थी।

सस्सी पुन्नू से शुरुआत

सुंदर ने इससे पूर्व कई पंजाबी फिल्मों में सहायक अभिनेता/कॉमेडियन के रोल निभाए थे। उनकी प्रथम पंजाबी फिल्म सस्सी पुन्नू (1939) थी, जिसमें उनके अभिनय की बहुत प्रशंसा हुई थी। फिर उन्हें पंजाबी भाषा की अन्य पांच फिल्मों जैसे जग्गा डाकू (1940), लैला मजनू (1941), मेरा माही (1941), गवांढी (1942) और पटवारी (1942) में सहायक अभिनेता के रूप में अभिनय करने का अवसर मिला।

बचपन के सपने बने हकीकत

नायक व कॉमेडियन सुंदर (सुंदर सिंह) का जन्म 14 मार्च 1908 को लाहौर में हुआ था। बचपन से ही सुंदर को सिनेमा से लगाव हो गया था। सामान्य नाटे कद वाला सुंदर, फिल्मों में हीरो बनने के ख्वाब देखने लग गया था। बीस वर्ष के थे जब कलकत्ता की ओर रुख किया। सौभाग्यवश उसे सबसे पहले इंदिरा मूवीटोन की हिंदी फिल्म वीर केसरी (1938) में अभिनय का अवसर मिला। फिर इसी बैनर की फिल्म जोश-ए-इस्लाम (1939) में सहायक भूमिका निभाई। इसी वर्ष उसने सफदर मिर्जा द्वारा निर्देशित फिल्म इंपीरियल मेल (1939) में अभिनय के साथ पार्श्व-गायन भी किया। सुंदर सिंह की अगली हिंदी फिल्म सिपाही (1941) को ब्रिटिश सरकार ने पहले प्रतिबंधित कर दिया था, फिर इसे जंगी जवान (1943) नाम से रिलीज किया गया। उस दौर में सुंदर ने खामोशी, मनचली और शुक्रिया जैसी फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ गीत भी गाए थे। संगीतकार जी.ए. चिश्ती ने जिद (1945) में उनसे 6 गाने भी गवाए थे। बाद में सुंदर ने बतौर प्लेबैक सिंगर फिल्म चांदनी चौक, मस्ताना, उपकार आदि के लिए गाया।

छई और भांगड़ा की धूम

फिल्म छई की अभूतपूर्व सफलता के बाद सुंदर, पंजाबी फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बन गए थे। उनकी अगली पंजाबी फिल्म मुटियार (1950) में सुंदर ने मज़ेदार भूमिका निभाई जिसमें उनके द्वारा गाया गीत कियों लाके सोहन्या नाल यारो हिट रहा था। इसके पश्चात सुंदर ने बालो (1951), वसाखी (1951), लारा लप्पा (1953), वंजारा (1954) जैसी हिट पंजाबी फिल्में की। वर्ष 1959 में सुंदर के अभिनय वाली जुगल किशोर द्वारा निर्देशित गोल्डन मूवीज़ की फिल्म भांगड़ा (1959) प्रदर्शित हुई थी जिसने स्वर्ण जुबली मनाई। इससे पंजाबी फिल्मों में भांगड़ा गीत का ट्रेंड शुरू हो गया था। यह फिल्म उनके कैरियर में मील का पत्थर साबित हुई। फिर सुंदर ने सफल संगीतमय पंजाबी फिल्मों की झड़ी लगा दी। 1970 के दशक में, सुंदर कॉमेडी और चरित्र भूमिकाओं तक सीमित रह गया था। साल 1980 के दशक में सुंदर ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पंजाबी फिल्म चन्न परदेसी में काम किया। दो पोस्ती उनकी आखिरी पंजाबी फिल्म थी।

हास्य एवं चरित्र भूमिकाएं

सुंदर ने प्रारम्भिक दौर की हिंदी फिल्मों में नायक की भूमिकाएं निभाई थीं, परन्तु देश विभाजन के बाद उन्हें हिंदी फिल्मों में केवल हास्य एवं चरित्र भूमिकाएं मिलीं। अमिय चक्रवर्ती की फिल्म सीमा (1955) में सुंदर ने हीरो बलराज साहनी के विश्वासपात्र मुरलीधर की अविस्मरणीय भूमिका निभाई। थ्रिलर हावड़ा ब्रिज (1957) में सुंदर ने भीकू का रोल किया था। सोलवां साल (1958) में सुंदर ने नायक देव आनंद के सहयोगी फोटोग्राफर का यादगार रोल निभाया था। लोकप्रिय गीत है अपना दिल तो आवारा में सुंदर माउथ ऑर्गन बजाता हुआ दिखाई देता है उन्होंने चार सौ से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उनकी कुछ लोकप्रिय फिल्मों में अलबेला, पड़ोसन, आई मिलन की बेला, इंसान जाग उठा, शराबी, आबरू आदि शामिल हैं। अभिनेता सुंदर को वह श्रेय नहीं मिला जिसके वह हकदार थे। अभिनेता सुंदर 5 मार्च 1992 को इस नश्वर संसार से विदा हो गए थे।

फिल्म 'आरआरआर के गीत 'नाटु नाटु ने ऑस्कर जीत कर रचा इतिहास

भारतीय फिल्म 'आरआरआर के तेलुगु गीत 'नाटु नाटु ने अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ मूल (ओरिजनल) गीत की श्रेणी में ऑस्कर जीत कर इतिहास रच दिया है। निर्देशक एस. एस. राजामौली की फिल्म 'आरआरआर के इस गीत 'नाटु नाटु के संगीतकार एम. एम. कीरावानी हैं और गीतकार चंद्रबोस ने इसके बोल लिखे हैं। इसे आवाज काल भैरव और राहुल सिप्लीगुंज ने दी है। 'नाटु नाटु का मतलब होता है 'नाचना।

गीत में अभिनेता राम चरण और जूनियर एनटीआर पर फिल्माया गया है, जिसमें उनके जोरदार नृत्य को भी काफी सराहना मिली है। कीरावानी ने कहा, 'मैं 'द कारपेंटर्स (बैंड के गीत) सुनते हुए बड़ा हुआ और आज यहां ऑस्कर के साथ हूं। मेरी बस एक ही ख्वाइश थी..राजामौली और मेरे परिवार की भी.. 'आरआरआर जीत जाए.. सभी भारतीयों का गौरव...। चंद्रबोस ने केवल ''नमस्ते कहकर पुरस्कार पाने की खुशी जाहिर की। इस श्रेणी में गीत 'नाटु नाटु ने फिल्म 'टेल इट लाइक अ वुमन के गीत 'अपलॉज, 'टॉप गन: मावेरिक के गीत 'होल्ड माई हैंड, 'ब्लैक पैंथर: वाकांडा फॉरएवर के 'लिफ्ट मी अप और 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स के 'दिस इज़ ए लाइफ को मात दी। गीत की विदेशी धरती पर यही तीसरी जीत है, इससे पहले इसे गोल्डन ग्लोब और क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड में भी पुरस्कार मिल चुका है। 'आरआरआर के आधिकारिक ट्विटर खाते पर जारी बयान में कहा गया, 'हम बेहद खुश हैं कि 'आरआरआर भारत को ऑस्कर दिलाने वाली पहली फिल्म बन गई है, जिसके गीत 'नाटु नाटु को सर्वश्रेष्ठ (ओरिजनल) गीत की श्रेणी में पुरस्कार मिला है। इस पल को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। दुनियाभर में हम अपने सभी प्रशंसकों को इसे समर्पित करते हैं। बहुत बहुत शुक्रिया। जय हिंद। इससे पहले, 'नाटु नाटु के गायक काल भैरव और राहुल सिप्लीगुंज ने ऑस्कर समारोह में इस तेलुगु गीत पर जोरदार प्रस्तुति दी, जिससे समारोह स्थल पर मौजूद सभी दर्शक झूम उठे थे। प्रस्तुति पर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। समारोह में भारतीय गायकों की प्रस्तुति की घोषणा बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने की थी। दीपिका पादुकोण यहां 'लुई विटॉन के काले रंग के बेहद सुंदर गाउन में नजर आईं, जिसके साथ उन्होंने एक खूबसूरत हार पहना था। अभिनेत्री ने प्रस्तुति की घोषणा करते हुए कहा, 'क्या आपको पता है 'नाटु क्या है, अगर नहीं, तो अब पता चल जाएगा। पेश है 'आरआरआर से 'नाटु नाटु। गीत की प्रस्तुति के लिए आयोजकों ने मंच पर गाने के सेट को दिखाने की कोशिश की। इस गीत की शूटिंग यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में हुई है। ऑस्कर समारोह का आयोजन सोमवार को सुबह (भारतीय समयानुसार) हॉलीवुड के डॉल्बी थिएटर में किया जा रहा है।

राहुल गांधी को झटके पे झटका, सांसदी जाने के बाद अब खाली करना पड़ सकता है बंगला

सांसद के तौर पर अयोग्य ठहराए जाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं. अपराधिक मानहानि मामले में ऊपरी अदालत से यदि राहत नहीं मिली तो राहुल गांधी को एक महीने के अंदर दिल्ली स्थित अपना सरकारी बंगला खाली करना पड़ सकता है. राहुल गांधी 2004 में लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद ये बंगला उन्हें आवंटित किया गया था.सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने और दो साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद शुक्रवार को लोकसभा सचिवालय ने उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया है. सूरत की अदालत ने उन्हें जमानत देते हुए ऊपरी अदालत में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया है. आवासन और शहरी विकास मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा की लोकसभा से आयोग घोषित कर दिया गया है. इसलिए राहुल गांधी सरकारी आवास के हकदार नहीं है. नियमों के अनुसार उन्हें आयोग के आदेश की तारीख से एक महीने के अंदर अपना बंगला खाली करना पड़ेगा.

2020 में प्रियंका गांधी को खाली करना पड़ा था बंगला

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को जुलाई 2020 में लोधी एस्टेट स्थित अपना अधिकारिक बंगला खाली करना पड़ा था, क्योंकि सुरक्षा कम किए जाने के बाद वह इसके लिए पात्र नहीं थी. कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि राहुल गांधी की दोषसिद्धि और अयोग्यता के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी लड़ाई आखिरी दम तक लड़ेंगे.
सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस पार्टी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए ये काला दिन है. लड़ाई कानूनी और राजनीतिक दोनों तरीके से लड़ी जाएगी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा ने राहुल गांधी को अयोग्य ठहराने के लिए सभी प्रयास किए, क्योंकि वह हमेशा सच बोल रहे थे. खड़गे ने आरोप लगाया कि उन्हें सच बोलने, संविधान और लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने की वजह से सदन से हटाया गया है, मगर ये लड़ाई जारी रहेगी.

शराब के छलकते जामों के बीच पुलिस ने की छापेमारी, होटल में हो रही थी हाई प्रोफाइल पार्टी,

उत्तर प्रदेश पुलिस ने जौनपुर शहर में 19 मार्च की रात को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के नामी होटल में छापेमारी की है। आरोप है कि होटल में पुलिस की परमिशन के बिना ही शराब डांस पार्टी का आयोजन किया जा रहा था। इस आयोजन को लकेर ही छापेमारी की गई है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान चार युवतियों समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है ।पुलिस छापेमारी कर सभी को थाने लाई जहां सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने देर रात तक सभी से पूछताछ की। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। वहीं होटल के स्टाफ से भी पूछताछ हो रही है। वहीं पुलिस की अचानक हुई इस बड़ी कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।
जौनपुर जिले स्थित लाइन बाजार थाना क्षेत्र में बने उत्सव होटल में एक ज्वेलर्स की ओर से शानदार पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में अचानक ही पुलिस ने आकर छापा मारा। पुलिस ने इस दौरान पार्टी में मौजूद चार लड़कियों समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है। हिरासत में ली गई लड़कियों में एक विदेशी लड़की भी शामिल है। पुलिस को इस पार्टी में छापेमारी के दौरान शराब की बोतलें भी मिली है। पुलिस ने जब पार्टी में छापा मारा तब यहां रंगारंग डांस चल रहा था। इस हाईप्रोफाइल पार्टी में कई स्थानीय बिजनेसमैन शामिल थे जिन्हें हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने होटल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की है। हालांकि होटल संचालक गिरफ्तार हुआ है या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिली है।
बता दें कि इस कार्रवाई को सिटी मजिस्ट्रेट ने शहर कोतवाल सहित अन्य थानों की फोर्स के साथ अंजाम दिया है। होटल में जांच करने पहुंची टीम सभी लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस थाने लेकर गई। पुलिस ने घटना स्थल से कई शराब की बोतलें बरामद की है। वैसे ये जानकारी सामने नहीं आई है कि पार्टी आयोजित करने के पीछे मकसद क्या था। पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। होटल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई हो रही है।

मंदिर देश के वो जहां मिट गई औरंगजेब की हस्ती, गई हेकड़ी निकल तो खुद घुटने टेक मांगी माफी

क्रूर मुगल बादशाह औरंगजेब भारत के हिंदू मंदिरों को तोड़ने के लिए कुख्यात रहा है. उसने देशभर के हजारों मंदिरों को ध्वस्त किया था. इस सच्चाई के बावजूद देश के कुछ मंदिर ऐसे हैं जहां उसे नतमस्तक होना पड़ा था. ये दो मंदिर हैं राजस्थान का जीण माता मंदिर और दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गौरीशंकर मंदिर.राजस्थान के सीकर जिले में स्थित जीणमाता मंदिर बहुत मशहूर है. कहते हैं की माता का मंदिर 1000 साल पुराना है. लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर में औरंगजेब को भी घुटने टेकते हुए नतमस्तक होना पड़ा था. मंदिर के चमत्कार से वह इतना प्रभावित हुआ कि उसने मंदिर में अखंड ज्योति शुरू कर उसका तेल दिल्ली दरबार से भेजना शुरू किया था. जीणमाता मंदिर में तब से आज तक वही ज्योति अखंड रूप से जल रही है.जीणमाता मंदिर के बारे में पुजारी बताते हैं कि औरंगजेब की सेना जब मंदिर को तोड़ने पहुंची तो मधुमक्खियों (भंवरों) ने उन पर हमला कर, उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया. वहीं इतिहासकारों के मुताबिक, औरंगजेब की सेना उत्तर भारत के मंदिरों पर हमला करते हुए सीकर पहुंची तो यहां के जीण माता और भैरों मंदिर को निशाना बनाने की साजिश ।

कांग्रेस को 'ना' बोल अब नहीं दोहराएंगे पुरानी गलती: अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कांग्रेस को गठबंधन के लिए न कहकर अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया है.
उन्होंने साफ कर दिया है कि संसद में किसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ आने का मतलब जमीन पर साथ आना नहीं है. मुलायम सिंह यादव ने कभी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ा. हालांकि कांग्रेस के साथ उनकी दोस्ती दुश्मनी चलती रही.
हालांकि अखिलेश ने पिता से अलग राह पर चलने की कोशिश की लेकिन उन्हें कामयाबी मिली नहीं. उन्होंने दो साल के भीतर ही

पहले राहुल गांधी के साथ 2017 में गठबंधन किया और 2019 मायावती के साथ समझौता किया लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली. शायद अखिलेश मोदी लहर से परेशान थे जिसके चलते उन्होंने अपने पिता की सीख को भी दरकिनार कर दिया.
मुलायम सिंह यादव ने हमेशा यूपी में अपने पैर मजबूत रखे और राष्ट्रीय राजनीति में राजनीतिक नफे नुकासान के आधार कांग्रेस का विरोध या समर्थन करते रहे. 17 अप्रैल 1999 के दिन एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई थी. हालांकि इसके बाद सोनिया गांधी पीएम नहीं बन सकी क्योंकि यह उनके विदेश मूल का मुद्दा उठ चुका था.
हालांकि यह बात ज्यादा लोग नहीं जानते कि सबसे पहले यह मुद्दा मुलायम सिंह यादव ने ही उठाया था. इसके बाद 2008 मुलायम ने अपने 38 सांसदों की मदद से मनमोहन सिंह सरकार को उस वक्त बचाया था जब अमेरिका से परमाणु डील के मुद्दे पर लेफ्ट ने समर्थन वापस ले लिया था.ऐसा लगता है कि अखिलेश अब जमीनी हकीकत को समझ गए हैं और कांग्रेस के साथ समझौता कर वह अपनी जंड़ो को कमजोर नहीं करना चाहते हैं. वह अपने गढ़ यूपी को कमजोर में लगे हैं. इसलिए उन्होंने जातीय गणना को बड़ा मुद्दा बनाया है. देखना है कि वह कितना योगी सरकार को मुकाबला दे पाते हैं.

देह व्यापार का गिरोह चलाने के मामले में महिला सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में एक महिला सुरक्षा गार्ड को देह व्यापार का गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ निरीक्षक महेश पाटिल ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए महिला को शुक्रवार को मुंब्रा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया ।उन्होंने बताया कि गिरोह व्हाट्सऐप के जरिए संचालित किया जाता था और महिलाओं को ग्राहकों द्वारा चुने गए स्थानों पर भेजा जाता था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

करौली बाबा: मंत्र से लंबाई बढ़ाने वाला चमत्कार! क्या है कानपुर के संतोष सिंह भदौरिया की कहानी? क्यों दर्ज हुई एफआईआर

संतोष सिंह भदौरिया उर्फ करौली बाबा का नाम इन दिनों खूब चर्चा में है। करौली बाबा पर आरोप है कि उनके चेलों ने नोएडा के डॉक्टरों पर हमला कर दिया। हमले में डॉक्टर बुरी तरह से घायल हो गए। व्यक्ति ने कहा कि पिटाई का कारण यह था कि उसने करौली बाबा के मंत्रोच्चारण से तुरंत लाभ नहीं होने की शिकायत की थी। पेशे से डॉक्टर और करौली बाबा के भक्त सिद्धार्थ चौधरी ने कानपुर के बिधनू थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें दावा किया गया है कि वह यूट्यूब पर संतोष भदौरिया के वीडियो देखा करते थे और उनसे प्रभावित थे। वह अपने पिता और पत्नी के साथ नोएडा से अपने आश्रम गए थे। और वहां करौली बाबा के अनुयाइयों द्वारा मारपीट की गई ।. उत्तर प्रदेश के उन्नाव के रहने वाले संतोष सिंह भदौरिया को किसान आंदोलन के दौरान लोकप्रियता मिली। किसान यूनियन के नेता संतराम सिंह की हत्या के बाद किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत ने कानपुर के सरसोल इलाके की बागडोर संतोष सिंह भदौरिया को सौंप दी थी, जिनका मई 2011 में निधन हो गया था। जनवरी 2021 में महेंद्र सिंह टिकैत के दो बेटों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें नरेश टिकैत बीकेयू के प्रमुख थे और राकेश टिकैत इसके प्रवक्ता थे। एक ही समय में पुलिस के साथ झड़प की कई घटनाएं सामने आईं, जिसके बाद कई किसानों को गिरफ्तार किया गया।

कानपुर: करौली बाबा का जबरदस्त आईडिया, इस तरह रोकेंगे रूस-यूक्रेन का युद्ध

कानपुर के करौली बाबा उर्फ संतोष सिंह भदौरिया पिछले कुछ दिनों से काफी चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, हाल ही में बाबा के समर्थकों पर एक भक्त की पिटाई करने का आरोप लगा था। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। भक्त की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद से करौली बाबा सुर्खियों में थे। अब इन सब के बीच बाबा ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर एक बड़ा दावा किया है। बाबा ने कहा है कि वह रूस और यूक्रेन के युद्ध को रोक सकते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध को कैसे रोकेंगे बाबा?

करौली बाबा ने इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान रूस और यूक्रेन युद्ध पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'अगर मैं चाहूं तो दोनों देशों के नेताओं की याददाश्त को मिटाकर रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोक सकता हूं।' अपने इसी बयान की वजह से करौली बाबा एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। बता दें, पिछले साल फरवरी से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है।

भक्त की पिटाई पर क्या बोले करौली बाबा?

करौली बाबा ने भक्त की पिटाई वाले वीडियो पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह एक 'षड्यंत्र' था और उस डॉक्टर भक्त को उनकी छवि खराब करने के लिए भेजा गया था। बता दें, करौली बाबा के चेलों ने नोएडा के एक डॉक्टर पर हमला कर दिया था। हमले में डॉक्टर बुरी तरह से घायल हो गए। डॉक्टर के मुताबिक, उसने करौली बाबा के मंत्रोच्चारण से तुरंत लाभ नहीं होने की शिकायत की थी, जिसके बाद बाबा के चेलों ने उसके साथ मारपीट की।

धीरे-धीरे संतोष सिंह भदौरिया किसानों के बीच एक लोकप्रिय नाम बन गए। संतोष सिंह भदौरिया को यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल से निकटता के कारण भी प्रसिद्धि मिली। बाद में उन्होंने कोयला निगम के अध्यक्ष का पद संभाला और कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद उन्हें हटा दिया गया। बाद में भदौरिया ने करौली आश्रम का निर्माण कराया। भदौरिया ने अपने तंत्र-मंत्र का प्रचार करने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया, जिससे उन्हें पैसे मिलते थे। तीन साल में भदौरिया ने करोड़ों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर दिया ।दावा तो ये है कि बाबा करौली उर्फ संतोष सिंह भदौरिया एक ही झटके में लंबाई तक बढ़ा देते हैं ।उनके खिलाफ 1992-95 के बीच हत्या और सीएलए के सेवन समेत कई आपराधिक मामले दर्ज थे। माना जाता है कि जमीन के भूखंडों पर अवैध रूप से कब्जा करने से पहले पुलिस से बचने के लिए संतोष भदौरिया किसान नेता बन गए। उन पर कोतवाली थाना क्षेत्र में चर्च की जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप है ।14 अगस्त 1994 को तत्कालीन जिलाधिकारी दिनेश सिंह के आदेश पर संतोष भदौरिया के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गई। संतोष भदौरिया ने एनएसए के आरोपों को हटाने के लिए गृह सचिव को एक पत्र भी भेजा था, जिसमें दावा किया गया था कि वह 1989 से किसान यूनियन में कार्यकर्ता हैं।

उत्तर प्रदेश: ग्रीन कार्ड से कार्डधारक को 30 सेकेंड में अब मिल रहा अनाज

राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में राशन लेने के लिए लंबी कतार में लगना अब बीते दिनों की बात हो गयी है, क्योंकि यहां उचित मूल्य की दुकान पर स्थापित अनूठे अनाज एटीएम (ग्रेन एटीएम) से गेहूं और चावल मिलने में मात्र 30 सेकेंड का समय लगता है। एटीएम से दुकानदार और कार्डधारक के बहुमूल्य समय की बचत होती है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में 15 मार्च को अनाज एटीएम स्थापित किया गया है और अब तक इससे लगभग 150 राशन कार्ड धारकों को अनाज (चावल और गेहूं) वितरित किया है ।लखनऊ में कोटेदार (उचित मूल्य की दुकान के मालिक) पंकज गिरी ने पीटीआई-से कहा सरकार ने यह अनाज एटीएम प्रदान किया और इसने इसी माह से काम शुरू किया है। इससे पहले कार्ड धारक को अनाज देने में लगभग 2-3 मिनट का समय लगता था, लेकिन अब 30 सेकंड में आपूर्ति हो रही है। इसके माध्यम से अब तक 100-150 राशन कार्ड धारकों को अनाज वितरित किया जा चुका है। गिरी ने कहा एटीएम के माध्यम से वितरित किए जा रहे खाद्यान्नों में कम तौल की कोई गुंजाइश नहीं है ।प्रदेश के खाद्य और नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने पीटीआई-को बताया कि फिलहाल देश में ऐसे सात अनाज एटीएम काम कर रहे हैं और इनमें से तीन उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर में स्थापित किये गये हैं। शर्मा ने कहा कि राशन कार्ड धारक को उचित मूल्य की दुकान पर ईपीओएस मशीन पर अपना अंगूठा लगाने के बाद तीन किलो चावल और दो किलोग्राम गेहूं मिलेगा। शर्मा ने एटीएम की सराहना करते हुए कहा, यह मशीन निश्चित रूप से पहले से प्रचलित घटतौली (कम तौल) पर अंकुश लगाएगी और इससे पारदर्शिता आएगी। इससे राशनकार्ड धारक को उसका वाजिब हक मिलेगा।

भूकंप को लेकर बाबा वेंगा ने की भविष्यवाणी, मच सकती है भयंकर तबाही!

एशिया के तीन अहम मुल्क हिंदुस्तान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान मंगलवार को भूकंप के झटकों से कांप उठे. इन तीन देशों के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान बताया गया. भारत की बात करें तो दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों में शनिवार को धरती हिली. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.6 मापी गई. इस तगड़े झटके के बाद लोगों में खौफ है.
अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में 6.6 तीव्रता का भूकंप आने के बाद मंगलवार रात दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) समेत उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में तेज झटके महसूस किए गए. शक्तिशाली भूकंप रात 10 बजकर 17 मिनट पर आया. भूकंप के झटकों के बाद दहशत में लोग घरों से बाहर निकल आए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में फैजाबाद से 133 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व में 156 किमी की गहराई में था.इस बीच दुनिया के मशहूर भविष्यक्ताओं में शामिल बुल्गारिया के भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां लोगों को डराने लगी है. बाबा वेंगा ने साल 2023 के लिए कई भविष्यवाणियां की थीं. बाबा वेंगा की ओर से भी प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी की गई थी. बाबा वेंगा ने साल 2023 के लिए कई भयानक प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी की है. उनकी भविष्यवाणियां अगर सच साबित हुईं तो धरती पर भारी तबाही मच सकती है.बाबा वेंगा के अलावा नीदरलैंड्स के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स ने भी 2023 के लिए भविष्यवाणी की थी. उन्होंने ये भी भविष्यवाणी की कि भरत-अफगानिस्तान-पाकिस्तान में एक बड़ा भूकंप आ सकता है. उन्होंने तुर्की और सीरिया और आसपास के इलाकों में भूकंप की भविष्यवाणी की थी, जो सच साबित हुई.

प्राइवेट स्कूलों से हो रहा संस्कृति का विनाश

एक अभिभावक अपने चार साल के मासूम को लेकर ज्एक अच्छे स्कूल की उम्मीद में एक नामी-गिरामी फाइव स्टार टाइप स्कूल में एडमिशन के लिए पहुंचा ।अभिभावक ने उनके स्कूल की प्रोसेस के बारे में पूछा तो प्रिंसिपल बोला ?20000 डोनेशन फीस ,?30000 साल की फीस उसके अलावा ड्रेस , शूज स्कूल से ही लेने पड़ेंगे ।अभिभावक के मन में अभी भी एक सवाल कीड़े की तरह उनके दिमाग को चाट रहा था। क्या बच्चे को हिंदू धर्म अनुसार रामायण , गीता भी कोर्स में पढ़ाई जावेगी ? इस सवाल पर प्रिंसिपल ने चुप्पी साध ली क्योंकि वह एक ईसाई मिशनरी स्कूल था। इस सवाल को नजरअंदाज करते हुए प्रिंसिपल ने अभिभावक से कहा आपका बच्चा तभी अच्छा पढ़ पाएगा ज्जब आप उसको घर पर भी पढ़ाई करवाएंगे ज्उस पर घर पर ध्यान देंगे और उसकी कोचिंग लगवाएंगे। अभिभावक इस बात से अचंभित हो गया ! चार पांच साल के बच्चे को कोचिंग लगाने का क्या औचित्य है ? जब वह फाइव स्टार नुमा स्कूल में अपने बच्चे का एडमिशन करवा रहा है ।इस तरह के चुटकुले आपको सोशल मीडिया पर देखने और सुनने को अक्सर मिल जाएंगे। मगर वर्तमान समय की शिक्षा व्यवस्था का यही एक कड़वा सत्य है। जिसे आम अभिभावक पचा नहीं पाता है। हम बचपन से ही सुनते आ रहे हैं कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सेवा का माध्यम है। इन दोनों ही संस्थानों में सेवा

भावना से समर्पित शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराई जाती है। मगर अब दौर बदल गया है । अब प्राइवेट स्कूल और हॉस्पिटल सेवा भावना से नहीं खोले जाते हैं। चलो मान लिया वर्तमान के हिसाब से और डिजिटल युग के हिसाब से स्कूलों की दरों दीवारें चेंज हो गई है । मगर इसके उलट सेवा भावना का कोई स्थान नहीं है। इन फाइव स्टार नुमा स्कूलों में अभिभावकों को गन्ने की तरह निचौड़ा जाता है। उनके खून पसीने की कमाई को दिखावे के नाम पर ऐठ लिया जाता है ।आजकल हर छोटे और बड़े जिलों में ईसाई मिशनरी स्कूल खोले जा रहे हैं जो किसी आलीशान होटलों से कम नहीं लगते हैं ।इन आलीशान स्कूलों की चकाचौंध में पड़कर आम अभिभावक अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए , इनके चक्रव्यू में आसानी से फंस रहे हैं ।इन स्कूलों का सिर्फ एक ही उद्देश्य है कमाई करना छोटे बच्चों को यह स्कूल वाले 90 प्लस नंबर देते हैं जिन से अभिभावक खुश हो जाते हैं । चाहे उनका बच्चा कमजोर ही क्यों ना हो । मगर नंबरों के इस जाल में फस कर वह अपने बच्चों का भविष्य और अपने बच्चों की नींव कमजोर कर रहे हैं ।इसके विपरीत कमीशन के चक्कर में छोटे-छोटे बच्चों के बस्ते का बोझ इतना बढ़ जाता है। कि छोटे-छोटे बच्चे इन बेगो को उठा पाने में भी असमर्थ महसूस करते हैं। मगर मजबूरी में उठाना पड़ता है। इन मासूम बच्चों का भविष्य इन भारी-भरकम बेगो के वजन तले रौंदा जा रहा है। अब वह 4ू30/ 5 फुट पर ही सिमट कर रह जाएंगे। और आने वाले भविष्य में सबसे बड़ा नुकसान हमारी भारतीय संस्कृति का होगाज् आने वाली पीढ़ी इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ रहेगी की राम कौन था ? कृष्ण कौन था ?क्योंकि यह आधुनिक शिक्षा हमें अपने सनातनी धर्म से दूर कर रही है। क्योंकि ईसाई मिशनरी स्कूलों में हमारे धार्मिक ग्रंथों को ना पढ़ा कर अपने धर्म का प्रचार प्रसार करने पर ज्यादा जोर दे रही है। यह अच्छी बात है की नई पीढ़ी के लिए अंग्रेजी बहुत आवश्यक भाषा है । मगर यह विडंबना है। इन प्राइवेट स्कूलों की कि यह अंग्रेजी तो हमारी अच्छी कर देते हैं। मगर हमें हिंदी और संस्कृत से कोसों दूर कर देते हैं। आए दिन प्राइवेट स्कूलों से यह शिकायत मिल रही है कि आजकल के बच्चे संस्कृत और हिंदी में कमजोर होते जा रहे हैं । स्कूलों का पूरा पूरा ध्यान इंग्लिश मीडियम पर रहता है । मगर हिंदी और संस्कृत को नजरअंदाज कर दिया जाता है ।या यूं कहें इन दोनों भाषाओं को औपचारिकता वश पढ़ाया जा रहा है ।इन प्राइवेट स्कूलों की फैक्ट्रियों से बच्चे साक्षर होने के बजाय रोबोट बन कर निकल रहे हैं। जिन्हें अपनी संस्कृति का दूर-दूर तक कोई ज्ञान नहीं है । यह हमारी संस्कृति के लिए बहुत ही घातक है ।और इसके दुष्परिणाम आने वाले भविष्य में नई पीढ़ी को भुगतने होंगेज् इन प्राइवेट स्कूलों में कमीशन खोरी के चक्कर में बेवजह का कोर्स बढ़ाकर आने वाली पीढ़ी को कुछ भी गलत पढ़ाया जा रहा है। एक समय था जब 80 परसेंट गुरुकुल हुआ करते थे। जहां पर उन्हें बौद्धिक शिक्षा धार्मिक शिक्षा और जीवन में काम आने वाली सामान्य शिक्षा दी जाती थी अगर वक्त के साथ अब सब बदल गया है । अब 80 परसेंट प्राइवेट स्कूल छोटे-छोटे जिलों में आलीशान फाइव स्टार होटल की तरह खुल गए हैं और गुरुकुल नाम मात्र के रह गए हैं। जो हमारी धार्मिक संस्कृति के लिए घातक है

कमल राठौर साहिल: शिवपुर, मध्य प्रदेश

मोरनी, मोर के आंसुओं को पीकर होती है गर्भवती?

मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी की लोकप्रियता देश ही नहीं विदेशों में भी है. वो सोशल मीडिया की सुर्खियों में बनी रहती हैं. लोग उनकी तरक्की के राज के साथ उनसे जुड़ी हर चीज के बारे में जानना चाहते हैं. इस बीच जया किशोरी ने अपनी दो अधूरी ख्वाहिशों के बारे में इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया है. बीते दिनों बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा था. हालांकि बाबा ने इसका खंडन किया था. आपको जया किशोरी की जिंदगी से जुड़े कुछ अनकहे किस्से बताते हैं. आज चर्चा उनके उस दावे की जो उन्होंने कुछ समय पहले अपनी एक कथा के दौरान किया था. दरअसल तब उन्होंने कहा था कि मोरनी, मोर के आंसुओं को पीकर गर्भवती होती है. आपको क्या लगता है जया किशोरी के उस दावे में कितनी सच?चाई है?
जया किशोरी, अपने लाइफ मैनेजमेंट टिप्स और मोटिवेशनल स्पीच देने के लिए युवाओं के बीच पॉपुलर होने के साथ कथा के आयोजनों के लिए डिमांड में हैं. वो लाइफ से जुड़े विषयों पर वे सेमिनार और वेबिनार लेती हैं. कुछ महीने पहले जया किशोरी ने कथावाचन के दौरान दावा किया था कि मोरनी और मोर कभी शारीरिक संभोग नहीं करते हैं. मोरनी मोर के आंसुओं

को पीकर गर्भवती होती है. उनके इस दावे पर सोशल मीडिया में लोगों ने अपनी अपनी सोच के हिसाब से अलग अलग राय रखी थी. दरअसल जया किशोरी ने ये कहा था कि मोर और मोरनी कभी भी शारीरिक संभोग नहीं करते हैं. उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे में आप सोच रहे होंगे कि फिर मोरनी के संतान कैसे होते हैं? इसी सभा में उन्होंने आगे कहा था कि मोरनी मोर के आंसुओं को पीकर गर्भ धारण करती है. यही वजह है कि भगवान श्रीकृष्ण मोर पंख लगाते हैं.'
इंटरनेट के आने से पहले भारतीय समाज में बहुत सी बातों को संकेतों के जरिए कहने का चलन रहा है. ऐसी ही एक कहावत आपने सुनी होगी जंगल में मोर नाचा किसने देखा? इस मिसाल के क्या मायने हैं इस पर भी एक अलग और लंबी बहस हो सकती है.

आगजनी मामले में मिली राहत, कहा- रमजान मुबारक रोजा रखा है, ऊपर वाला है

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए होगी सभी मुकदमों में सुनवाई

बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्जी आधार कार्ड और रंगदारी मामले में महाराजगंज जेल से कानपुर न्यायालय में पेशी के लिए शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच चार सौ किलोमीटर दूर से सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान पहुंचे। कानपुर के अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य बहिष्कार के बाद भी फर्जी आधार कार्ड से हवाई यात्रा के आरोप में सुनवाई हुई। जाजमऊ थाने में वादी अकील अहमद द्वारा दर्ज कराए गए रंगदारी के मामले में एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आलोक यादव की अदालत में आरोप तय कर दिए गए हैं। वहीं फर्जी आधार कार्ड मामले में भी कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों मामलों में सुनवाई के लिए 6 अप्रैल की तारीख नियत कर दी गई है। वहीं गैंगस्टर मामले में रिमांड के लिए इरफान, रिजवान, मो शरीफ, शौकत अली व इसराइल आटे वाला को एमपी एमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी की अदालत में पेश किया गया है। जहां कोर्ट ने रिमांड बढ़ाकर 12 अप्रैल की तारीख नियत कर दी गई है। इरफान के अधिवक्ता गौरव दीक्षित ने बताया कि जाजमऊ आगजनी कांड में आरोपी इरफान को व्यक्तिगत पेशी से छूट मिल गई है। स्वास्थ्य कारणों के आधार पर कोर्ट में उनकी व्यक्तिगत हाजिरी माफी की अर्जी स्वीकार कर ली है। कोर्ट में पेशी पर जाने के दौरान सपा विधायक इरफान सोलंकी ने सभी को रमजान और नवरात्र की बधाई दी। इसके साथ ही कहा कि दुआओं में याद रखना। इरफान की पत्नी नसीम सोलंकी, मां खुर्शीदा व बच्चे मिलने पहुंचे। वहीं, पेशी के दौरान बच्चे भी सपा विधायक इरफान सोलंकी से लिपट गए।

विधानसभावार में कराए गये कार्यो को प्रदर्शित करती पुस्तिका का विमोचन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन, लखनऊ में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें सरकार की विगत 06 वर्षों की उपलब्धियों, नये कीर्तिमानो, प्रदेश सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों के अभूतपूर्व प्रयासों और परिणामों को प्रदर्शित करती पुस्तिका का विमोचन किया गया। उक्त कार्यक्रम का जनपद में शताब्दी भवन सभागार एच0बी0टी0यू0 वेस्टर्न कैम्पस में सजीव प्रसारण कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सांसद कानपुर लोकसभा क्षेत्र सत्यदेव पचौरी, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेन्द्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, अभिजीत सिंह सांगा, मोहित सोनकर

(राहुल बच्चा), एम0एल0सी0 सलिल विश्नोई, अरुण पाठक, मण्डलायुक्त डॉ0 राजशेखर, पुलिस आयुक्त बी0पी0 जोगदण्ड, प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, जिला अध्यक्ष भाजपा सुनील बजाज, कृष्ण मुरारी शुक्ला, बीना आर्या सहित सम्बन्धित अधिकारी, मीडिया बन्धु व विभिन्न योजनाओं के लाभार्थीगणों द्वारा देखा गया।

सजीव प्रसारण कार्यक्रम के पश्चात सुशासन विकास रोजगार, डबल इंजन की सरकार के 06 वर्षों की उपलब्धियों व जनपद में विधानसभावार कराए गये कार्यों को प्रदर्शित करती पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा इसके पश्चात प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। सांसद ने प्रेसवार्ता में मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुशासन, विकास, रोजगार व डबल इंजन की सरकार, सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है, जिससे देश प्रदेश व जनपद का चौमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश व कानपुर का निरंतर विकास हो रहा है। 06 वर्षों में कानपुर के नागरिकों को वो मिला है, जो 70 वर्षों में नहीं मिला, कानपुर को एयरपोर्ट की सौगात मिली जिसका निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है और जल्द ही उसका शुभारम्भ होने वाला है। कानपुर वासी मेट्रो का सपना देखते थे आज वह सपना भी पूर्ण हो गया है और कानपुर मेट्रो सिटी के नाम से जाना जाता है।

महिला सशक्तिकरण रैली यात्रा को पुलिस कमिश्नर ने झंडी दिखाकर किया रवाना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला सशक्तिकरण रैली के तहत मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान यात्रा को कानपुर नगर की पुलिस लाइन से कानपुर के पुलिस कमिश्नर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उपरोक्त यात्रा कानपुर नगर से चलकर नोएडा पहुंचेगी उपरोक्त यात्रा में शामिल पुलिस उपाधीक्षक ,महिला निरीक्षक, महिला उपनिरीक्षक, महिला कॉन्स्टेबल आदि का जनपद कानपुर देहात एवं जनपद औरैया में पुलिस प्रशासन द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया।पुलिस कमिश्नर द्वारा महिला सशक्तिकरण रैली के तहत मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उपरोक्त रैली में लगभग 50 लोग महिला पुरुष स्कूटी और चार पहिया वाहनों से चल रहे थे। जिसमें कि पुलिस उपाधीक्षक महिला निरीक्षक महिला उपनिरीक्षक महिला कॉन्स्टेबल आदि शामिल थी। महिला बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश लखनऊ की तरफ से नियुक्त नितिन कुमार उपनिरीक्षक एवं आरक्षित सचिन कुमार कानपुर से इनके साथ चलकर नोएडा तक जाएंगे उपरोक्त रैली में शामिल पुलिस उपाधीक्षक, महिला निरीक्षक, महिला उपनिरीक्षक, महिला कॉन्स्टेबल आदि का जनपद कानपुर देहात एवं औरैया मे पुलिस प्रशासन द्वारा जगह-जगह स्वागत किया जाएगा।

केडीए उपाध्यक्ष ने योजनाओं का निरीक्षण किया

धीमी गति से कार्य किये जाने पर नाराजगी जताई

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण श्री अरविन्द सिंह द्वारा के0डी0ए0 द्वारा जोन-4 में विकसित की जा रही योजनाओं का आज दिनांक 25.03.2023 को किया गया निरीक्षण ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जोन-4 में सकरापुर, भागीरथी-जान्हवीं, हाईवेसिटी, अलकनन्दा इन्क्लेव, स्वर्ण जयन्ती विहार में प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही विभिन्न योजनाओं व निर्माणाधीन विभिन्न प्रोजेक्ट्स की प्रगति के सम्बन्ध में स्थलीय निरीक्षण करते हुये की गयी समीक्षा ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा अधिकांश विकास कार्यो व निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया किन्तु कतिपय योजनाओं में अपेक्षाकृत धीमी गति से विकास/सिविल कार्य किये जाने पर रोष व्यक्त किया गया ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा अलकनन्दा इन्क्लेव में विद्युत के कार्यो में अपेक्षित प्रगति न होने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया तथा विद्युत के अधिकारियों को शीघ्र समस्त कार्यवाही पूर्ण कराये जाने के दिये गये सख्त निर्देश।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा भागीरथी-जान्हवीं योजना में विद्युत सम्बन्धी कार्यो की गति में शिथिलता पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता को विद्युत सब-स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में विद्युत विभाग से सम्पर्क कर त्वरित गति से कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा भागीरथी-जान्हवी योजना में प्राधिकरण द्वारा विकसित किये जा रहे पार्क में एक आम का पौधा भी रोपित किया गया तथा उक्त पार्क व सम्पूर्ण वातावरण को हरा-भरा बनाये जाने का दिया गया संदेश ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा स्वर्ण जयन्ती विहार योजना के भ्रमण के दौरान यह पाये जाने पर कि प्राधिकरण द्वारा ग्राम देहली सुजानपुर में मुक्त करायी गयी आराजी संख्या 1957, 1958, 2112 की भूमि पर अभी तक नियोजन सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण नहीं हुई है, पर कड़ी फटकार लगाते हुये प्राधिकरण द्वारा मुक्त करायी गयी भूमि को नियमानुसार नियोजित करते हुये तत्काल आम जनमानस के उपयोग हेतु निस्तारण कराये जाने के दिये गये निर्देश।

मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण की तैयारी

• एक अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरूआत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिले में संचारी रोगों का नियंत्रण तभी संभव है जबकि स्वास्थ्य विभाग के अलावा अन्य सभी सम्बन्धित विभाग अपने अपने हिस्से के दायित्वों सम्पूर्ण का निर्वहन करें । साथ ही सम्बन्धित विभागों में अन्तर्विभागीय समन्वय होना भी अति आवश्यक है । यह दिशा निर्देश मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार ने बीते दिनों कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की अंतर्विभागीय बैठक के दौरान दीं । जिले में एक अप्रैल से प्रस्तावित संचारी रोग नियंत्रण अभियान और सत्रह अप्रैल से प्रस्तावित दस्तक पखवाड़े के बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान का मुख्य उद्देश्य साफ सफाई व संचारी रोगों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। उनके द्वारा निर्देश दिए गए कि बीमारी फ़ैलाने वाले सभी संचारी रोगों को जनपद से हटाना है और इस अभियान को नियमित कार्य न समझकर एक विशेष अभियान के रूप में संचालित करना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस ब्लॉक में कोई भी बुखार का केस निकलता है, तो उस ब्लॉक की स्वास्थ्य विभाग और पंचायतराज विभाग की टीम वहां पर जाकर उन रोगों का पता लगाएं और उस मरीज के घर के आस-पास निरोधात्मक कार्यवाही

करना सुनिश्चित करे। उन्होंने दिशा निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग और नगर निकाय विभाग की भूमिका दोनों अभियानों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है । बीमारियों की रोकथाम और सुपोषण का संदेश जन जन तक इन अभियानों के जरिये पहुंचाया जाना चाहिए । खासतौर पर दस्तक पखवाड़े के दौरान आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समन्वय स्थापित करते हुए बुखार पीड़ित लोगों को सूचीबद्ध करें और कुपोषित बच्चों को भी ढूंढ कर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जोड़ें ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आलोक रंजन ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में ग्राम्य विकास व पंचायती राज विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, नगर विकास विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, दिव्यांग कल्याण विभाग, सूचना विभाग, संस्कृति विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग एक साथ गतिविधियां करते हैं । स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग की भूमिका में होता है ।

इस बार के संचारी रोग नियंत्रण अभियान में हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय, कोविड से बचाव के उपाय, मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपाय, एच तीन एन टू वायरस से बचाव और लेप्टोस्पाईरोसिस व स्क्रबटाइफस से बचाव के उपायों के बारे में जनजागरूकता फैलाना एवं प्रभावी नियंत्रण के उपाय करना शामिल है ।वेक्टर बार्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ आरपी मिश्रा ने बताया कि दस्तक पखवाड़े के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर घर भ्रमण कर जनजागरूकता के साथ साथ पांच प्रकार की सूचियां तैयार करेंगी । इन सूचियों में बुखार के रोगियों, इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई) रोगियों, संभावित क्षय रोगियों, कुपोषित बच्चों और मच्छरों के अधिक प्रजजन वाले मकानों की सूचियां शामिल हैं । बैठक का संचालन जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने किया । उन्होंने बताया की विभिन्न बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों को सरकारी अस्पताल के इलाज से जोड़ा जाएगा जबकि मच्छरों के घनत्व वाले मकानों में मच्छरों को नष्ट किया जाएगा । उन्होंने कहा की समस्त ब्लॉकों में ब्लॉक टास्क फॉर्स की बैठक कराई जा चुकि है।

साथ ही ब्लॉक लेवल पर इस अभियान से सम्बंधित समस्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। साथ ही बताया की अन्यविभागों का रोस्टर अनुसार प्रशिक्षण करवाया जा रहा है।

विवि कुलपति का हुआ सेवा विस्तार

कानपुर। डॉ0 बिजेन्द्र सिंह, कुलपति आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या का कार्यकाल दिनांक 25 मार्च को समाप्त हो रहा है तथा वर्तमान में नियमित कुलपति की नियुक्ति में कुछ समय लगने की सम्भावना है। जिस पर कुलाधिपति ने आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय अधिनियम, 1958 की धारा-11 (6) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डॉ0 बिजेन्द्र सिंह का कुलपति के रूप में कार्यकाल को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, विस्तारित किया।

कलश यात्रा के साथ हुआ भागवत कथा का शुभारंभ

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। तहसील के परास गांव में 25 मार्च सनिवार को श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन सुबह कलश यात्रा का आयोजन किया गया शोभा यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश रखकर गांव भ्रमण किया यात्रा में बैंड, ढोल के बीच भक्त झूम उठे। कथा वाचक पूज्य प. श्याम बिहारी द्विवेदी जी महाराज ने श्री मद भागवत कथा सुनाई जिसमें भागवत की महिमा का वर्णन करते हुए ज्ञान वैराग्य, भक्ति और धुंधकारी प्रेत मुक्ति की कथा के साथ सप्ताह विधि का वर्णन किया। आचार्य जी ने कहा जीव जब मा के गर्व से पैदा होता है पैर उपर सर नीचे होता है ध्रूव कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा ध्रुवअपने पिता की गोद में बैठना चाहते थे परन्तु उनकी सौतेली मा ने उत्तान पाद की गोद से उने गोद से उतार दिया इस बात आए व्यथित होकर उन्होंने जंगल में जाकर श्री हरि विष्णु की कठिन तपस्या की जिससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें भक्ति का अटल आशीर्वाद प्रदान किया, जिसके तहत 31 मार्च को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

पुलिस पिकेट के पास जमकर हुआ बवाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बर्रा में पुलिस के इकबाल को चुनौती देते हुए दो गुटों में सरेशाम जमकी लाठी डंडे चले। कई बार पथराव हुआ जिसमें दोनों गुटों के लोग घायल हो गये। पुलिस दबंगों की पहचान करके सख्त कार्रवाई की बात कह रही है। झगड़ा वर्चस्व कायम करने को लेकर दो गुट में हुआ था। वहां मौजूद लोग भी दबंगों की बेरहमी से मारपीट के आगे बीच बचाव की हिम्मत नहीं जुटा पाए ।थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि 23 मार्च को मारपीट की सूचना मिली थी। पुलिस भी मौके पर जांच करने पहुंची। लेकिन दोनों गुट के लोग भाग गए थे। दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है। कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में साड़ी की दुकान में आग लगने की घटना से हड़कम्प मच गया। गनीमत रही कि समय रहते कर्मचारियों ने आग बुझा नहीं ली तो बड़ा हादसा हो सकता था ।बताया जा रहा है कि साड़ी की दुकान में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। कुछ लोगों ने शॉर्ट सर्किट होते हुए देख लिया और शोर मचाने लगे। रात के वक्त दुकान बंद होने का समय था। कुछ ही कर्मचारी दुकान में मौजूद थे। दुकान के किसी भी समान के जलने की सूचना नहीं मिली है। केवल एसी जल गया और दीवार व खिड़कियां जल गईं। किसी भी तरह की कोई जनहानि भी नहीं हुई है।

मैथानी ने किया पीवीसी पाइप लाइन के कार्य का शिलान्यास

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने वार्ड 85 लाजपत नगर के अंतर्गत मरियमपुर रेलवे लाइन रंजीत नगर में 110mm ब्यास की 255द्व पीवीसी पाइप लाइन डालने के कार्य शिलान्यास किया 7 वार्ड 85 लाजपत नगर के अंतर्गत सर पदमपत सिंघानिया स्कूल के पीछे देवी सिंह का पुरवा में 110mm व्यास की 500 मीटर पीवीसी पाइप लाइन डालने के कार्य का शिलान्यास किया 7वार्ड 85 लाजपत नगर के अंतर्गत चेक संख्या 120/1 कमला नगर जेकेएमके इंटर कॉलेज के सामने 110mm व्यास की 120 मीटर सीआई पाइप लाइन डालने के कार्य का शिलान्यास किया विधायक ने कुल 3 कार्यों का शिलान्यास किया जिसकी लागत 20 लाख है। विधायक ने बताया कि जब से बस्ती बसी है (लगभग 40 वर्षो से) तब से पानी की पाइप लाइन अभी तक नहीं पड़ी लेकिन अब विधायक ने पानी की पाइप लाइन के पड़ने के कार्य का शिलान्यास कर जनता को समर्पित किया विधायक ने बताया कि पानी की पाइप लाइन पड़ जाने से स्थानीय जनता को दूरदराज से पानी लाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी विधायक ने बताया कि पेयजल एवं सीवर की समस्याओं पर निरंतर कार्य हो रहा है और आगे भी इसी प्रकार जनहित में कार्य होते रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक सुरेंद्र मैथानी, अभिनव दीक्षित, राघवेंद्र दुबे, विजय शुक्ला, रवींद्रनाथ दूबे, आशीष मिश्रा, अंकित राज, शैलेंद्र सिंह, पुष्पा, सुमन, रोशनी आदि स्थानीय जनता मौजूद रही।

हिंसा के आरोपी को मिली दो और मामलों में जमानत

कानपुर ।पुलिस तीन जून हिंसा के आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिये सिर्फ कागजी घोड़ ही दौड़ाने में जुटी रही तो वहीं साक्ष्यों के आभाव में हिंसा के मास्टर माइंड को दो और मुकदमों में राहत मिल गयी। इससे पूर्व फर्जी सिम और एनआरसी के दौरान भड़काऊ भाषण मामले में भी हाईकोर्ट से जमानत मंजूरी मिल चुकी है। भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के विवादित बयान के विरोध में हयात ने 3 जून 2022 को बाजार बंदी का आह्वान किया था। बंदी की आड़ में नई सड़क पर हिंसा हो गई थी। बेकनगंज थाने में अलग-अलग तीन मुकदमे दर्ज किए गए थे। दो मुकदमों में पुलिस वादी थी ।वहीं, एक मुकदमा चंद्रेश्वर हाते के निवासी ने दर्ज कराया था। जांच में मुख्तार बाबा, हाजी वसी व डी-टू गैंग से जुड़े अपराधियों के नाम भी सामने आए थे। मुकदमे में कई आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। अधिवक्ता मो. सलीम ने बताया कि हयात लगभग 9 माह से जेल में बंद है। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक मुकदमे में हयात को पहले ही जमानत मिल गई है। अभी दो अन्य मुकदमों में भी जमानत मिल गई है। सलीम ने बताया कि इसके साथ ही रासुका के खिलाफ भी याचिका दाखिल की गई है। इस मामले में सुनवाई लंबित है

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।